8 अक्टूबर 2025
गुरुवार
डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स

छठिया पोखरा पानी टंकी के पास कचरा डंप किये जाने को लेकर लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

2

जहरीले सिरप का बढ़ता जा रहा कहर, मौत का आंकड़ा हुआ 19

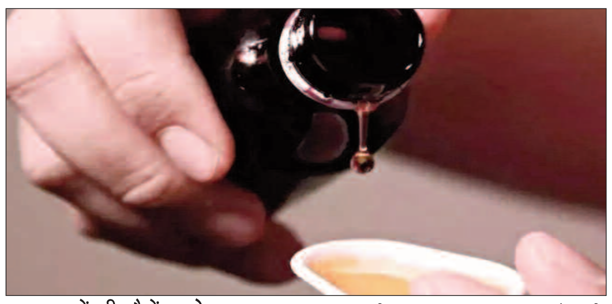

बच्चों की मौतों का केस अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा

एजेंसी/छिंदवाड़ा

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में सनसनी वाला मामला सामने आया है। जिले के कोयलांचल में जहरीला सिरप पीने से किडनी फेल होने के मामले बढ़ते जा रहें हैं। बीते 24 घंटों में 3 बच्चों की मौत होने की खबर से छिंदवाड़ा की हर आँख में आंसू छलक उठे हैं। मंगलवार को तामिया के जूनापानी की धानी, जामई की जयूषा और रिधोरा के वेदांश पवार की नागपुर के अस्पताल में मौत हो गई है। जहरीले कोल्ड्रिफ सिरप पीने से मौत का आंकड़ा बढकर अब 19 हो गया है। अभी भी 9 बच्चे गम्भीर हालत में नागपुर के अस्पतालों में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कफ सिरप के कारण किडनी संक्रमण से प्रभावित नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में उपचाररत 9 बच्चों के इलाज का संपूर्ण व्यय राज्य शासन द्वारा वहन किए जाने के निर्देश दिए हैं। लेकिन 3 और बच्चों की मौत से माहौल गमगीन हो गया है। सिरप पीने से किडनी फेल होने के कारण छिंदवाड़ा की एक और बच्ची ने दम तोड़ दिया। तामिया के जूनापानी गांव की डेढ़ साल की बच्ची धानी डेहरिया की नागपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसी के साथ प्रदेश में कोल्ड्रिफ से हुई बच्चों की मौतों का आंकड़ा बढ़कर 17 हो गया है। इस बीच एमपी और राजस्थान में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौतों का केस सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका है। देश की शीर्ष अदालत में जनहित याचिका दायर कर केंद्र सरकार को ड्रग रिकॉल पॉलिसी बनाने के निर्देश देने की अपील की गई है। छिंदवाड़ा में जहरीले सिरप से मृत बच्चों की संख्या अब 15 हो गई है। सोमवार रात को नागपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती धानी की मौत हो गई। उसे 26 सितंबर को भर्ती कराया गया था। धानी के पिता नवीन डेहरिया ने बताया कि परासिया के डॉ. प्रवीण सोनी ने ही उसका इलाज किया था। उसे भी कोल्ड्रिफ सिरप दिया गया था। धानी की मौत के साथ ही

कुल संख्या 17 पर पहुंची

करीब डेढ़ दर्जन बच्चों की मौत से पूरे राज्य में हाहाकार सा मचा है। मामले की जांच के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने चार जिलों के 4 ड्रग इंस्पेक्टरों को मिलाकर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (ͳ्ज) बनाई है। राज्य सरकार प्रदेश के ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को हटा चुकी है जबकि सीएम डॉ. मोहन यादव ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उपसंचालक शोभित कोष्टा, छिंदवाड़ा के ड्रग इंस्पेक्टर गौरव शर्मा और जबलपुर ड्रग इंस्पेक्टर शरद जैन को भी सस्पेंड कर दिया है।

बच्चों की मौतों का केस अब सुप्रीम कोर्ट में

जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौतों का केस अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। एक अधिवक्ता विशाल तिवारी ने जनहित याचिका लगाई है। उन्होंने मध्यप्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौतों के मामले की सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार को ड्रग रिकॉल पॉलिसी और टॉक्सिकोलॉजिकल सेफ्टी प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश देने को भी कहा गया है। देशभर में दवाओं में डाय एथिलिन ग्लायकॉल और एथिलिन ग्लायकॉल की जांच कराने तथा आरोपी कंपनी की सभी दवाओं पर बैन लगाने की मांग भी की है।

ओमान से 36 भारतीय श्रमिकों को बचाया गया

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के हस्तक्षेप के बाद ओमान में फंसे 36 भारतीय कामगारों को बचाकर सुरक्षित घर वापस लाया गया है। गोयल ने मंगलवार इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशियाई देश में भारतीय दूतावास के सहयोग से श्रमिकों को बचाया गया। गोयल ने कहा कि यह बचाव कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण से प्रेरित है। इसके तहत विदेशों में संकट में फंसे भारतीयों को हर संभव सहायता मुहैया कराई जाती है। उत्तर मुंबई से भाजपा के लोकसभा सांसद ने जोर देकर कहा, ह्लओमान से 36 भारतीय श्रमिकों की सुरक्षित वापसी प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक नेतृत्व और विदेश में प्रत्येक भारतीय जीवन की रक्षा के लिए सरकार के अटूट संकल्प का प्रमाण है ह्व यह मुद्दा उत्तर मुंबई के वार्ड संख्या 24 के भाजपा अध्यक्ष गोविंद प्रसाद की ओर से गोयल के ध्यान में लाया गया। प्रसाद ने गोयल को बताया कि ओमान में उनके एक रिश्तेदार सहित 18 भारतीय श्रमिकों का उनके नियोक्ता की ओर से कथित रूप से शोषण किया जा रहा है और वे दयनीय परिस्थितियों में रह रहे हैं। मामले का त्वरित संज्ञान लेते हुए केंद्रीय मंत्री ने अपने अधिकारियों को मामले को प्राथमिकता देने तथा तत्काल हस्तक्षेप के लिए ओमान स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क करने का निर्देश दिया। त्वरित कार्रवाई करते हुए दूतावास ने स्थानीय प्राधिकारियों की मदद से न केवल 18 कथित श्रमिकों का पता लगाया, बल्कि इसी प्रकार की कठिनाई का सामना कर रहे 18 अन्य भारतीयों का भी पता लगाया। गोयल ने कहा कि सभी 36 श्रमिकों को एक स्थानीय गुरुद्वारे में अस्थायी आश्रय मुहैया कराया गया। वहां दूतावास की ओर से उनकी वापसी के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी किए जाने तक उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की गई।

बस में 25-30 यात्री सवार थे, जो मलबे में दब गए

हिमाचल : बिलासपुर में बस की छत पर गिरा भूस्खलन का मलबा, 18 लोगों की मौत

एजेंसी/बिलासपुर

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में मंगलवार शाम को एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। मरोतन से घुमारवीं जा रही यात्री बस पर भलू के पास पहाड़ी से भारी मलबा गिर गया जिसमें 18 लोगों की मौत हो चुकी है। बस में 25-30 यात्री सवार थे, जो मलबे में दब गए। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में मरोतन से घुमारवीं जा रही संतोषी निजी बस पर शुक्र खड्डु के किनारे बरठीं में भल्लू पुल के पास पहाड़ी से भूस्खलन का मलबा गिर गया। मलबा गिरने से बस की छत उड़कर खड्डु के किनारे जा पहुंची। वहीं सारा मलबा बस पर आ गया। जिससे बस पूरी तरह मलबे की चपेट में आ गई। खबर लिखे जाने तक बस के अंदर से अभी तक 15 शव निकाले गए हैं। दो बच्चियों और एक बच्चे को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें से एक बच्ची की मां दुर्घटना में मारी गई है। बेटियों का प्रारंभिक उपचार बरठीं अस्पताल में चला हुआ है। जानकारी के अनुसार, संतोषी नाम की निजी बस पर मलबा और पत्थर गिरने से बस को काफी क्षतिग्रस्त हो गई है. स्थानीय प्रशासन की टीमों को मौके पर रवाना किया गया है. राहत और बचाव कार्य जारी है, लेकिन मलबा काफी ज्यादा होने के कारण राहत कार्य में कठिनाई आ रही है. उधर, दो बच्चियों और एक बच्चे को सुरक्षित निकाला गया है. इनमें से एक बच्ची की मां दुर्घटना में मारी गई है. बेटियों का प्रारंभिक उपचार बरठीं अस्पताल में चला हुआ है. बस में सवार थे 35 यात्री बताया जा रहा है कि करीब 35 लोग बस में सवार थे. चालक और परिचालक की मौत हो चुकी है. मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

बस में सवार थे 35 यात्री

बताया जा रहा है कि करीब 35 लोग बस में सवार थे। घटना करीब साढ़े छह बजे हुई है। बस में मरोतन बरठीं, घुमारवीं और बीच के स्टेशनों के लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि बस में 35 के करीब सवारियां थी। चालक और परिचालक की मौत हो चुकी है। मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। दुर्घटनाग्रस्त पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, ये दुखद घटना राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। हर संभव सहायता दी जाएगी। शिमला से लगातार निगरानी कर रहे हैं और जिला प्रशासन को तेजी से बचाव कार्य के निर्देश दिए। घायलों के इलाज का खर्च राज्य वहन करेगा।मुख्यमंत्री निरंतर जिला प्रशासन के संपर्क में हैं और उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि घायलों को तुरंत उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया जाए और उनके इलाज की पूरी व्यवस्था की जाए।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा, दिया हर संभव मदद का आश्वासन

एजेंसी/पटना

दार्जिलिंग के स्थानीय सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजू बिष्ट, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा के वरिष्ठ नेता और बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को उत्तर बंगाल के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित इलाकों का दौरा किया। सांसद राजू बिष्ट ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के साथ मिरिक उपखंड और सुखिया पोखरी ब्लॉक के भूस्खलन प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोगों को हर संभव

सहायता का आश्वासन भी दिया। राजू ने बताया कि उन्होंने दौरे की शुरूआत सौरनी धारगांव (टोकलांग) से की, जो इस आपदा में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। इस इलाके में भूस्खलन से अब तक चार लोगों की मौत, पांच लोग घायल और कई परिवार विस्थापित हुए हैं। अनेक घर पूरी तरह बह गए हैं या मरम्मत से बाहर क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्होंने सौरनी के अस्थायी राहत केंद्र में शरण लिए 18 परिवारों से मुलाकात की। इसके अलावा, थुर्बो 9 माइल, मिरिक में छह परिवारों के 22 सदस्य अस्थायी रूप से रह रहे हैं। इसके बाद वे सियोक बसमाय नया गांव (सुखिया पोखरी ब्लॉक) पहुंचे, जहां एक ही परिवार के दो सदस्यों की दुखद मौत हो गई और 15 घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

बुर्का मतदाताओं की जांच करेंगी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

एजेंसी/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में वोटिंग के दौरान बुर्का मतदाताओं के लिए भी स्पष्ट निर्देश जारी किया है। बिहार में चुनाव की तारीखों का एलान करते समय मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घोषणा की है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान, बुर्का पहने महिला मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में सहायता के लिए राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आंगनवाड़ी कार्यकताओं को तैनात किया जाएगा। बिहार चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घूंघट और बुर्का पहने महिलाओं के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए ज्ञानेश कुमार ने कहा कि मतदान केंद्रों के अंदर पहचान के सत्यापन के लिए चुनाव आयोग के पास स्पष्ट दिशानिर्देश हैं, जिनका सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुर्का पहने महिलाओं की पहचान सत्यापित करने के लिए, हमारी आंगनवाड़ी कार्यकताओं को सभी मतदान केंद्रों पर तैनात किया जाएगा। इस संबंध में आयोग के दिशानिर्देश बहुत स्पष्ट हैं कि मतदान केंद्र के अंदर पहचान कैसे सत्यापित की जाती है और उनका सख्ती से पालन किया जाएगा।

24 हजार करोड़ की लागत से होगा काम पूरा

रेलवे नेटवर्क का होगा विस्तार : चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मिली मंजूरी

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारतीय रेलवे के नेटवर्क विस्तार के लिए चार बड़ी मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनसे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात के 18 जिलों में रेल संपर्क को नई गति मिलेगी। कुल 24,634 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ये परियोजनाएं 2030-31 तक पूरी होंगी, जिससे रेलवे नेटवर्क में 894 किलोमीटर की वृद्धि होगी। यह माल और यात्री सेवाओं को गति देने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में ठोस कदम भी साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की मंगलवार को बैठक के बाद सूचना प्रसारण एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ इनके केंद्र में हैं। दोनों राज्यों में 84 किलोमीटर लंबी गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन और 237 किलोमीटर लंबी इटारसी-भोपाल-बीना चौथी लाइन स्वीकृत की गई है। इसके अलावा महाराष्ट्र में वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 किमी) तथा गुजरात-मध्य प्रदेश में वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी लाइन (259 किमी) को मंजूरी मिली है। इन परियोजनाओं से करीब 3,633 गांवों के 85 लाख से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिल सकेगा। इनमें दो आकांक्षी जिले, विदिशा (मध्य प्रदेश) और राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) भी शामिल हैं, जहां से प्रत्यक्ष नौकरी और स्वरोजगार के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

139 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन घटेगा

रेल मंत्री के अनुसार इन परियोजनाओं से प्रति वर्ष 780 लाख टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव होगी। कोयला, सीमेंट, कंटेनर, फ्लाई ऐश, खाद्यान्न और इस्पात जैसी वस्तुओं की ढुलाई में सुविधा बढ़ेगी। ऊर्जा कुशल और पर्यावरण अनुकूल रेल परिवहन से 139 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन घटेगा, जो लगभग छह करोड़ पेड़ों के रोपण के बराबर है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार इन योजनाओं का उद्देश्य मल्टी-मॉडल संपर्कता बढ़ाना और औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देना है।

बजरंगबली की भक्ति में डूबा ठोरी पांडेयपुर गांव, गूंजते रहा वैदिक मंत्रोच्चार व जयघोष

- हनुमान मंदिर वार्षिकोत्सव पर भक्ति, आस्था और एकता का हुआ संगम, पूरे दिन भक्तिमय बना रहा माहौल

केटी न्यूज/चौगाई

ठोरी पांडेयपुर गांव मंगलवार को भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया, जब लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर में वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, जयकारों और आरती की गूंज से पूरा इलाका आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। गांव का माहौल ऐसा था मानो स्वयं बजरंगबली ने भक्तों के बीच आकर उन्हें आशीर्वाद दिया हो।

सन 1962 में स्थापित यह प्राचीन हनुमान मंदिर न केवल गांव की आस्था का केंद्र है, बल्कि यह धार्मिक एकता और संस्कारों की विरासत का प्रतीक भी बन चुका है। पांच वर्ष पूर्व इसका जीर्णोद्धार कर वैदिक विधि से मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। परंपरा के अनुसार हर वर्ष शरद पूर्णिमा के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। इस बार भी ग्रामीणों ने उसी भक्ति भाव से वार्षिकोत्सव का आयोजन किया, जिससे पूरा गांव एक पवित्र उत्सव का रूप ले लिया।

वैदिक विधि से हुआ हवन, गूंजे जयघोष

सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर परिसर में जुटने लगे थे। वैदिक पंडित अंकुश उपाध्याय, बृजकिशोर पांडेय, धर्मदेव पांडेय और उमेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में विधिवत पूजा-पाठ, हवन और आरती का आयोजन किया गया। पंडितों ने बताया कि जो भक्त सच्चे मन से हनुमान जी की आराधना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। हवन की लपटों के साथ जब जय बजरंगबली के नारे गूंजे तो वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा।

प्रसाद, आरती और आस्था का उत्सव

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग, सभी भक्तिमय उल्लास में सराबोर दिखे। हर चेहरे पर संतोष और भक्ति की झलक साफ नजर आ रही थी। पूरे गांव में हनुमान चालीसा के स्वर गूंजते रहे और शाम को सामूहिक आरती के साथ वार्षिकोत्सव का समापन हुआ।

धार्मिक आयोजन से बढ़ी सामाजिक एकता

ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल भक्ति भावना को गहराते हैं बल्कि गांव में आपसी एकजुटता और आध्यात्मिक चेतना को भी बढ़ावा देते हैं। वार्षिकोत्सव के इस पावन अवसर पर ठोरी पांडेयपुर गांव ने यह साबित कर दिया कि जब भक्ति, परंपरा और सामूहिकता का संगम होता है, तो हर गांव तीर्थ बन जाता है।

सफाई एजेंसी और नगर परिषद की कार्यशैली पर उठे सवाल, सख्ती नहीं सिर्फ स्पष्टीकरण तक सिमटा नप प्रशासन

छठिया पोखरा पानी टंकी के पास कचरा डंप किये जाने को लेकर लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में मंगलवार की सुबह छठिया पोखरा पानी टंकी के पीछे जबरन कूड़ा गिराए जाने को लेकर स्थानीय लोगों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। नाराज लोगों का कहना था कि पूरी आबादी दुर्गंध से त्रस्त है बारिश होने के कारण अब महामारी फैलने का खतरा मंडराने लगा है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद की सफाई एजेंसी की लापरवाही और उदासीन रवैये के कारण मोहल्ले का माहौल बदतर हो चुका है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बार-बार स्वच्छता पदाधिकारी और नगर परिषद के पूर्व कार्यपालक पदाधिकारी को शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके विपरीत, नगर का कूड़ा नगर के भीतर ही गिराया जा रहा है। लोगों ने कहा कि नगर परिषद ने शहर की सीमा से बाहर कूड़ा निष्पादन की कोई व्यवस्था नहीं की है, जिसके कारण

रिहायशी इलाकों में ही कूड़े के ढेर लगाए जा रहे हैं। मालूम हो कि इस मामले में पूर्व में ही छठिया पोखरा निवासी सत्यव्रत राय पिता, धीरेंद्र राय ने डुमरांव अनुमंडल लोक शिकायत कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने लोक अदालत को बताया था कि नगर परिषद की सफाई एजेंसी ने छठिया पोखरा पानी टंकी के पीछे के भूखंड को अवैध रूप से डंपिंग यार्ड बना दिया है। यह शिकायत 13 अगस्त को दर्ज की गई थी। मामले की जांच में नगर परिषद के लोक स्वच्छता पदाधिकारी राजीव रंजन ने सफाई एजेंसी से स्पष्टीकरण मांगा और उक्त स्थल से कूड़े का अंबार हटाने का निर्देश भी जारी किया। एजेंसी ने जवाब तो दिया, लेकिन वास्तविक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। आज भी वहां गंदगी और कचरे का ढेर लगा हुआ है। स्थानीय लोग कहते हैं कि नगर परिषद के आदेश केवल कागजों तक सीमित रहते हैं, जमीन पर उसका असर देखने को नहीं मिलता। समाजसेवी सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सोनू राय ने कहा कि नगर परिषद की एजेंसी का असली काम कचरा हटाना नहीं, बल्कि कचरे का स्थानांतरण करना है। लोक स्वच्छता पदाधिकारी राजीव रंजन ने मंगलवार को फिर बताया कि मामला संज्ञान में है और वहां डंपिंग रोकी जाएगी। लेकिन लोगों को शायद इस वादे पर भरोसा नहीं है, क्योंकि इससे पहले भी ऐसे ही आश्वासन दिए गए थे जिनका नतीजा सिफर रहा। डेढ़ माह पहले जारी हुए स्पष्टीकरण के पत्र का नतीजा कुछ दिनों तक भी नहीं टिक सका और जिम्मेदारों के निर्देश के बाद पुनः उक्त स्थल पर कचरे का निस्तारण शुरू हो गया। विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि शहर का सफाई तंत्र पूरी तरह फेल हो चुका है। प्रतिमाह 90 लाख रुपये का भुगतान लेने वाली निजी एजेंसी शहर को साफ करने के बजाय जगह-जगह कूड़े की बस्तियां बसा रही है। फोरलेन से लेकर रैयती जमीनों, आहरों और पोखरों तक कचरे के अंबार फैले हुए हैं। फोरलेन किनारे, खिरौली के पीछे स्थित आहर, सफाखाना रोड और मिशन स्कूल के पास पुराना भोजपुर क्षेत्र में भी यही हाल है। लोगों का कहना है कि 90 लाख मासिक खर्च रू बदहाली से निजात क्यों नहीं मिल रहा है। अगर नगर परिषद ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे। शहर के बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकताओं ने भी सवाल उठाया है कि जब नगर परिषद नियमित रूप से एजेंसी को लाखों रुपये महीने का भुगतान कर रही है, तो फिर शहर की गंदगी क्यों नहीं हट रही? विरोध प्रदर्शन में उपस्थित लोगों ने मांग की कि तत्काल छठिया पोखरा, पानी टंकी और अन्य प्रभावित स्थलों से कचरा हटाया जाए तथा सफाई एजेंसी पर जुमार्ना लगाकर ठोस कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द डंपिंग नहीं रुकी, तो नगर परिषद कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा। सवाल यह है कि जब जनता के पैसे से शहर को स्वच्छ बनाने का दावा किया जाता है, तो आखिर डुमरांव के लोग अब भी गंदगी और दुर्गंध के बीच क्यों जीने को मजबूर हैं।

क्या कहते हैं स्वच्छता पदाधिकारी राजीव रंजन

इस संबंध में जब स्वच्छता पदाधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया की मामला संज्ञान में आया है। पानी टंकी के पीछे कूड़ा डंप किसी भी हाल में नहीं होने दिया जाएगा। एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिए गए है। कारवाई भी की जाएगी।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

हंकारपुर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, हजारों की संपति जली

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के हंकारपुर गांव स्थित एक घर में बिजली की शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। यह घटना नथुनी राम के घर में घटित हुई है। इस घटना से पीड़ित का हजारों रुपये मूल्य का सामान जलकर राख हो गया तथा घर के अंदर बंधी गयी भैंस भी गंभीर रूप से झुलस गई।

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे, बगल में ही पशुओं का घर भी था। तभी अचानक देर रात कहीं से शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने उनके झोपड़ीनुमा घर में आग पकड़ लिया। धीरे-धीरे आग की लपटे तेज होकर विकराल रूप धारण कर लिया। जैसे ही वह तेज लौ के साथ जलना शुरू किया, तब तक किसी की नींद खुली और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। जिसकी आवाज सुनकर लोग दौड़कर घटना स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आग बुझाना शुरू कर दिया। तब तक उनके पड़ोसी मुराहु राम का भी घर इसकी चपेट में आ गया। हालांकि, ग्रामीणों की तत्परता से जल्दी ही आग पर काबू पा लिया गया, जिससे यह अन्य घरों में फैलने से बच गया। इस घटना में नथुनी के घर में रखा अनाज, पशुओं का चारा, कपड़ा एवं कई अन्य आवश्यक सामान जलकर राख हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही पहुंचे वार्ड सदस्य अटल सिंह ने स्थिति का जायजा लेते हुए इसकी सूचना अंचल कर्मी को दिया। इन्होंने सरकार से उचित मुआवजा राशि की मांग भी किया है। बताया जाता है कि पीड़ित काफी गरीब परिवार से है।

कार की टक्कर से डुमरांव निवासी दवा व्यवसायी जख्मी, हालत गंभीर

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र के एनएच 922 पर प्रताप सागर के समीप सोमवार की देर शाम कार व बाइक की टक्कर में एक दवा व्यवसायी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। स्थानीय युवा सामजिक कार्यकर्ता कृष्णा शर्मा ने उक्त व्यवसायी को इलाज के लिए रात में ही सदर अस्पताल बक्सर पहुंचाया। जहां, गंभीर अवस्था में उसका प्राथमिक इलाज किया गया। वहीं, घटना को अंजाम दे कार चालक फरार हो गया है, पुलिस ने उसके वाहन को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। जख्मी की पहचान डुमरांव के लंगटू महादेव मंदिर के पास रहने वाले बिट्टू शर्मा, पिता बिकू शर्मा के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार उनका बक्सर में दवा दुकान है। वे देर

शाम डुमरांव से अपनी दवा दुकान पर जा रहे थे, इसी दौरान प्रतापसागर के समीप पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार स्वीफ्ट डिजायर कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्वजनों में अफरा तफरी मच गई। स्वजन रात में ही दौड़े भागे सदर अस्पताल पहुंचे। वहीं, नया भोजपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की तलाश कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रतापसागर के पास सड़क की संकरी स्थिति और तेज रफ्तार वाहनों के कारण इस मार्ग पर अक्सर हादसे होते रहते हैं। लोगों ने प्रशासन से वहां स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डुमरांव स्टेशन रोड का होगा कायाकल्प बनेगा नाला और हटेगा अतिक्रमण

- टेढ़की पुल से पुराना भोजपुर चौराहा तक बनेगा पांच किलोमीटर लंबा सड़क मार्ग कृ फुटपाथ होगा अतिक्रमण मुक्त, लोगों को मिलेगी राहत

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद क्षेत्र के लोगों के लिए खुशखबरी है, वर्षों से जाम और जलजमाव की समस्या से जूझ रहे स्टेशन रोड का अब कायाकल्प होने जा रहा है। नगर परिषद द्वारा स्टेशन रोड के दोनों ओर नाले के निर्माण और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। स्टेशन रोड डुमरांव ही नहीं, बल्कि झारखंड और पश्चिम बंगाल से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भी प्रमुख मार्ग है। इस सड़क पर हर समय भारी वाहनों और स्थानीय यातायात का दबाव बना रहता है। फुटपाथ के अतिक्रमण और सड़क की दुर्दशा के

कारण लोगों को आए दिन जाम और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में बीडीओ संदीप कुमार पांडेय, नप ईओ आर धर दूबे व कार्यवाहक चेयरमैन विकास कुमार ने बताया कि स्टेशन रोड में टेढ़की पुल से लेकर पुराना भोजपुर चौराहा तक पांच किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। सड़क के दोनों ओर पक्के नाले का निर्माण किया जाएगा, जिससे जलजमाव की समस्या खत्म हो जाएगी। इसके साथ ही पूरे रास्ते के फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा, ताकि पैदल चलने वालों को भी सहूलियत मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट आदेश है कि निर्माण कार्य के दौरान अगर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण सामने आता है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाएगा। पहले से बने नालों का अस्तित्व लगभग मिट चुका है, क्योंकि अधिकांश हिस्सों पर अवैध कब्जा हो चुका है। नतीजतन, बारिश के दिनों में पानी निकलने का रास्ता बंद हो जाता है और सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फुटपाथों पर दुकानदारों द्वारा सामान रखे जाने से पैदल चलना मुश्किल हो गया है। बारिश के समय सड़क पर पानी भर जाने से लोग फुटपाथ का सहारा लेते हैं, लेकिन वहां भी अतिक्रमण के कारण जगह नहीं मिलती। अब नगर परिषद के इस कदम से उन्हें बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद स्टेशन रोड न केवल सुंदर और सुगम बनेगा, बल्कि इससे व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सड़क चौड़ी होने और जलजमाव खत्म होने से यातायात में सुगमता आएगी तथा दुर्घटनाओं में कमी आएगी। डुमरांव नगर परिषद ने इस दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। सर्वे और मापी कार्य पूरा होते ही निर्माण एजेंसी को काम सौंपा जाएगा। नागरिकों ने भी इस निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि यह योजना समय पर पूरी होगी और डुमरांव की खूबसूरती में चार चांद लगाएगी।

भारतवर्ष के अंतिम हिंदू सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य का विजयोत्सव मनाया गया

■ अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा, डुमरांव की ओर से सिटी हाल में हुआ आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय सिटी हाल, डुमरांव में रविवार को अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा, डुमरांव इकाई की ओर से भारतवर्ष के अंतिम हिंदू सम्राट परम आदरणीय हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू का विजयोत्सव बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में रौनियार समाज के सदस्य, स्थानीय बुद्धिजीवी एवं सम्मानित अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने की, जबकि संचालन का दायित्व संस्था के सचिव के.के. गुप्ता ने निभाया। आगत अतिथियों का स्वागत संस्था के संयोजक मोहन गुप्ता ने किया। वहीं, कार्यक्रम के अंत में रमेश जी रौनियार ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभी का आभार व्यक्त किया।

हेमू, पराक्रम, देशभक्ति और आत्मबल के प्रतीक

संस्थान के वक्ताओं ने हेमचंद्र विक्रमादित्य हेमू के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे भारतीय इतिहास के ऐसे योद्धा थे, जिन्होंने मुगल साम्राज्य के विरुद्ध 22 युद्ध लड़े और हर बार विजयी रहे।

हेमू का जन्म 1501 ई. में राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता नमक के व्यापारी थे, जिसके चलते उनका बचपन हरियाणा के रेवाड़ी में बीता। कम उम्र में ही उन्होंने युद्धकला सीखी और विदेशी आक्रांताओं से लोहा लेना शुरू किया।

7 अक्टूबर 1556 को उन्होंने अकबर की सेना को हराकर दिल्ली की गद्दी पर अधिकार किया और स्वयं को ह्वविक्रमादित्यह्व की उपाधि से विभूषित किया। हालांकि, 5 नवंबर 1556 को द्वितीय पानीपत के युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ते हुए वे घायल हो गए और बेहोशी की अवस्था में क्रूर मुगलों ने उनका सिर कलम कर दिया।

समाज के युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि हेमू जी के बलिदान और संघर्ष की कहानी आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने दिखाया कि दृढ़ संकल्प, परिश्रम और देशभक्ति से किसी भी कठिन परिस्थिति को पराजित किया जा सकता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग रहे शामिल

इस मौके पर रमेश रौनियार, सुरेश कुमार, विनोद कुमार, विनय कुमार, राकेश कुमार, मनोज कुमार, संजय कुमार, अजय कुमार, मुन्ना, अशोक मास्टर, विश्वनाथ, राजू गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, भरत, ओमप्रकाश, सिंगासन सहित डुमरांव के सभी रौनियार परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों से सभागार गूंजता रहा और सभी ने एक स्वर में हेमचंद्र विक्रमादित्य अमर रहे के नारे लगाए।

यूपी से तस्करी कर लाई जा रही गोवंश से लदी ट्रक जब्त, चालक खलासी फरार

■ बक्सर नगर थाने की टीम को गोलंबर के पास वाहन चेकिंग अभियान के दौरान मिली सफलता

■ 19 सांढ़ व पांच बिना दूध देने वाली गाय समेत लदे थे 24 गोवंश, एक की हो चुकी थी मौत

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में पशुतस्करी का भंडाफोड़ हुआ है। वाहन चेकिंग अभियान के दौरान नगर थाने की पुलिस ने गोलंबर के समीप से एक ट्रक पर लदे 19 सांढ़ व पांच बिना दूध देने वाली गाय समेत कुल 24 गोवंश को पकड़ा है, जिनमें एक की मौत वाहन में ही हो गई थी। हालांकि, इस दौरान ट्रक चालक व खलासी मौके का फायदा उठा भागने में सफल रहे।

पुलिस बरामद गोवंश को आदर्श गौशाला में सुरक्षित रखवा तस्करों की शिनाख्त व धर पकड़ में जुट गई है। हालांकि, ट्रक पर रजिस्टेज्शन नंबर अंकित नहीं होने के कारण पुलिस को तस्करों तक पहुंचने में मशक्कत करनी पड़ेगी। पशुओं को यूपी से तस्करी कर बिहार के रास्ते बंगाल ले जाए जाने की जानकारी मिली है। बरामद पशुओं में एक भी दुधारू नहीं है, जिससे इस बात के प्रमाण मिल रहे है कि उन्हें अवैध तरीके से वधशाला पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन बक्सर में मुश्तैद पुलिस ने पशु तस्करों के मंसूबे को फेल कर दिया है।

यूपी से तस्करी कर लाई जा रही थी गोववंश

मिली जानकारी के अनुसार गोवंश के उक्त खेप को यूपी से वीर कुंवर सिंह सेतु के रास्ते लाया गया था। संयोग से उसी समय गोलंबर के पास स्थानीय पुलिस वाहन जांच अभियान चला रही थी। पुलिस को देखते ही कुछ दूर पहले ही ट्रक खड़ी कर उसके चालक व खलासी फरार हो गए। इधर शक के आधार पर पुलिस ने जब ट्रक की पड़ताल की तो उसमें गोवंश भरे थे, जिसके बाद पुलिस ने ट्रक को अपनी अभिरक्षा में ले लिया तथा गोवंश को सुरक्षित उतरवा उसे आदर्श गौशाल पहुंचाया, वहीं एक गाय की मौत हो चुकी थी।

मजबूत है पशु तस्करो का नेटवर्क

जानकारों की मानें तो जिले में पशु तस्करों का नेटवर्क काफी मजबूत है। यहां सक्रिय पशु तस्कर यूपी से पशुओं की तस्करी कर लाते है तथा उसे बिहार के रास्ते पश्चिम बंगाल तक बिक्री करते है। जानकार बताते है कि पशु तस्कर इन पशुओं को बंगाल के वधशाल तक पहुंचाने का ठेका लेते है। यहीं कारण है कि बूढ़ी व बांझ पशुओं के साथ ही सांढ़ भी पशु तस्करों की नजरों से नहीं बच पाते है। मंगलवार को इसका प्रमाण भी बक्सर में मिल गया। जानकारों का कहना है कि यह खेल वर्षों से चल रहा है, बावजूद स्थानीय प्रशासन की उदासीनता से इस पर लगाम नहीं लग पा रहा है। वहीं, जानकारों की मानें तो जिले के चौसा व सिमरी प्रखंड के मझवारी में आयोजित होने वाला सप्ताहिक पशुमेला पशु तस्करी का बड़ा जरिया बन गया है। जहां, से नियमित तौर पर पशुओं की बड़ी खेप बंगाल भेजा जाता है।

ट्रक में नहीं मिला फिटनेस व खरीब बिक्री का प्रमाण पत्र

पुलिस ने जब ट्रक के केबिन को खंगाला तो उसमें पशुओं के फिटनेस प्रमाण पत्र, खरीद बिक्री के प्रमाण पत्र समेत अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं मिले। यहीं नहीं बल्कि ट्रक के अंदर गोवंश के चारे-पानी की व्यवस्था भी नहीं थी। पशुओं को देखकर ऐसा लग रहा था कि उन्हें कई दिनों से चारा-पानी नहीं मिला था। सभी पशु भूख व प्यास से बेहाल थे।

वाहन जांच अभियान के दौरान गोलंबर के समीप से गोवंश लदी एक ट्रक को जब्त किया गया है। ट्रक पर 23 जिंदा व एक मृत गोवंश मिला है। जीवित पशुओं को रख रखाव के लिए आदर्श गौशाला भेजा गया है। तस्करों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक नजर

धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से युवा किसान की मौत, पसरा मातम

चौसा। पोल से टूटकर गिरे धारा प्रवाहित जर्जर तार की चपेट में आने से एक युवा किसान की मौत हो गई है। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कमरपुर गांव के बधार में मंगलवार की सुबह हुई है। मृतक की पहचान स्थानीय कमरपुर गांव निवासी धर्मराज सिंह के 37 वर्षीय पुत्र योगेन्द्र यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, पीड़ित परिजनों के अलावे ग्रामीणों में बिजली विभाग के लापरवाही के प्रति गहरा आक्रोश है। मिली जानकारी के अनुसार योगेन्द्र सुबह में पशुचारा लाने बधार गया था। पशुचारा लेकर वह वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक पोल से जर्जर तार टूटकर गिरा था, जिसके संपर्क में आ योगेन्द्र बूरी तरह से झुलस गया था। इसकी जानकारी मिलते ही उसके स्वजन उसे उठाकर तुरंत चौसा सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों के क्रंदन चित्कार से माहौल गांव का माहौल गमगीन हो गया था। वहीं, इस घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति गहरा आक्रोश है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची मुफस्सिल थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया।

चुनावी माहौल में डुमरांव प्रशासन अलर्ट, डीएसपी ने थानाध्यक्षों को दिए सख्त निर्देश

डुमरांव। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में पुलिस-प्रशासन ने कमर कस ली है। सोमवार की शाम अनुमंडल पुलिस मुख्यालय के सभागार में एसडीपीओ पोलस्त कुमार की अध्यक्षता में आयोजित विशेष बैठक में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों को संबोधित करते हुए एसडीपीओ ने साफ कहा कि चुनावी दौर में किसी भी प्रकार की अराजकता, उपद्रव या विवाद की स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि हर थाना क्षेत्र में पुलिस पूरी मुस्तैदी से गश्त करे और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखे। डीएसपी ने फरार अपराधियों और लंबित वारंटियों की गिरफ्तारी पर विशेष बल देते हुए कहा कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर शीघ्र धर-पकड़ की जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी आदेश दिया कि आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों की सूची तैयार कर उन पर लगातार निगरानी रखी जाए, ताकि चुनावी माहौल में कोई गड़बड़ी न फैला सके। चुनाव के दौरान शराब तस्करी और अवैध शराब कारोबार को लेकर भी डीएसपी ने सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में शराब का अवैध कारोबार नहीं चलना चाहिए। इसके लिए सघन छापेमारी अभियान चलाया जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में एसडीपीओ ने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करे। किसी भी राजनीतिक दल या व्यक्ति के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने इलाकों में नियमित पेट्रोलिंग, स्थानीय खुफिया नेटवर्क को सक्रिय रखने और त्वरित सूचना आदान-प्रदान की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई तथा आगामी दिनों में विशेष अभियान चलाने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। डीएसपी ने कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि उसे शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराना है।बैठक में डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, कोरानसराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी, नावानगर थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक का माहौल पूरी तरह अनुशासित और रणनीतिक रहा, जिससे स्पष्ट संकेत मिला कि प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने को पूरी तरह तैयार है।

कम्हरिया गांव के पास खेत में बेहोशी की हालत में मिला ई-रिक्शा चालक, हाथ-पैर थे बंधे

केटी न्यूज/चौसा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कम्हरिया गांव के समीप खेत से एक बेहोशी की हालत में एक युवक मिला है। उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी तथा उसका जबड़ा भी टूट गया था। हमलावरों ने उसका हाथ पैर बांध उसे खेत फेक दिया था। सुबह में जब ग्रामीण खेत की तरफ निकले तो तो युवक को खेत में अचेत पड़ा देख पुलिस को सूचना दिए। ग्रामीणों की सूचना पर मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत खुद सदल बल मौके पर पहुंचे तथा उसे उठवा इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर पहुंचाए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जख्मी की पहचान उत्तर प्रदेश के

बलिया जिला के नरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़का खेत गांव निवासी संतोष यादव उर्फ गुड्डु यादव के रूप में हुई है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित के चाचा रंगनाथ यादव ने अज्ञात लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि गुड्डू रोज की तरह सोमवार को बक्सर में ई-रिक्शा चलाने आया था। रात आठ बजे उसने घर पर अंतिम बार फोन किया, इसके बाद संपर्क टूट गया। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने उसे खेत में बेहोश पाया। उसका मोबाइल, पैसा और ई-रिक्शा मौके से गायब थे। डॉक्टरों के अनुसार, गुड्डू को बुरी तरह पीटा गया है, जिससे उसका जबड़ा टूट गया है और वह बोलने में असमर्थ है। वहीं, आशंका जताई जा रही है कि ई-रिक्शा लूटने के दौरान विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई होगी तथा हाथ पैर बांध लूट की घटना को अंजाम दिया गया होगा। हालांकि, पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। पुलिस का कहना है कि जख्मी जब बोलने की स्थिति में होगा, तभी इस बात की जानकारी मिल सकेगी कि उसके साथ क्या हुआ था।

सुविधा शुल्क न देने पर भिजवाया स्पष्टीकरण

सिमरी। प्रखंड के सहियार पंचायत स्थित लाइसेंसी दुकान पर पंचायत कृषि समन्वयक द्वारा शाम साढ़े पांच बजे पहुंच कर सुविधा शुल्क मांगना न देने पर जिले से स्पष्टीकरण भिजवाने का मामला प्रकाश में आया है और यह भी पता चला है कि पंचायत कृषि समन्वयक सहियार इसके पूर्व पोस्टिग में निलम्बित भी हो चुका है। यह खरीफ बाजरा प्रत्यक्षण बीज वितरण सत्र 2025/2026 में किसान सलाहकार सहियार अर्जुन ठाकुर द्वारा भेजी गयी सूची को दरकिनार कर जिसने सुविधा शुल्क दिया बीज उन्हीं को दिया गया। किसान बीज के लिए बराबर चक्कर लगाते रहे, लेकिन उन्हें बीज नहीं दिया गया। जिसकी शिकायत प्रखंड कृषि पदाधिकारी सिमरी को किया तो उन्होंने पत्रांक 63 दिनांक 1/9/25 को स्पष्टीकरण पंचायत कृषि समन्वयक पर निकाला, साथ ही किसानों द्वारा दिये गये आवेदन की जांच अनुमंडल कृषि पदाधिकारी द्वारा की जा रही है। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी से पूछने पर बताया कि सहियार ग्राम के संजय ठाकुर का आवेदन प्राप्त हुआ है। पंचायत कृषि समन्वयक जांच से भाग रहा है, बावजूद जल्द ही जांच पूरी कर जांच रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को सौंप दी जाएगी।

बक्सर में चुनावी बिगुल फूंका, जिला प्रशासन ने राजनीतिक दलों संग की बैठक, आचार संहिता पर दिए सख्त निर्देश

■ 10 अक्टूबर से जारी होगी अधिसूचना, 17 अक्टूबर तक भरे जाएंगे नामांकन पत्र

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। घोषणा के साथ ही पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसके बाद बक्सर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है और निर्वाचन की तैयारी में जुट गया है।

घोषणा के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह तथा पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिले के सभी

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष, सचिव एवं प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक की।

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी दलों को यह स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि चुनाव की घोषणा के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू हो चुकी है। इसके तहत आदर्श आचार संहिता का पालन अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की रैली, प्रचार-प्रसार, सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग, दीवार लेखन या शासकीय कार्यक्रमों में राजनीतिक हस्तक्षेप पर रोक रहेगी।

डॉ. सिंह ने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वे आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करें और मतदाताओं को स्वतंत्र रूप से मतदान करने दें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने कहा कि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। किसी भी प्रकार की अफवाह या भड़काऊ गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी और गश्त बढ़ाई जाएगी।

बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि बक्सर जिले की चारों विधानसभा सीटों के लिए 10 अक्टूबर 2025 को अधिसूचना जारी की जाएगी। उसी दिन से नामांकन पत्र संबंधित निवार्ची पदाधिकारी के कार्यालय में स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। बैठक में मौजूद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी निष्पक्ष चुनाव के लिए सहयोग देने का भरोसा जताया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अंत में सभी को चेताया कि आयोग के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रशासन सख्ती से पेश आएगा।

बक्सर जिला अब पूरी तरह चुनावी मोड में प्रवेश कर चुका है, और प्रशासन निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बिहार-भोजपुर-रोहतास

बक्सर, 8 अक्टूबर 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

आदर्श आचार संहिता के बाद काराकाट प्रशासन ने चुनावी पोस्टर बैनर हटवाया

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को काराकाट प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए नगर पंचायत काराकाट क्षेत्र के जमुआ,करूप और गोड़ारी बाजार में लगे विभिन्न राजनीतिक दलों के पोस्टर,बैनर और होर्डिंग्स को हटवाया। यह अभियान काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह,अंचलाधिकारी डॉ.रितेश कुमार एवं नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन के नेतृत्व में चलाया गया। अधिकारियों की देखरेख में कर्मियों की टीम ने सार्वजनिक स्थलों, सरकारी भवनों,दीवारों,बिजली के खंभों एवं दुकानों पर लगे राजनीतिक प्रचार सामग्री को हटाकर साफ-सफाई कराई। वही बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी को सरकारी या सार्वजनिक स्थल पर प्रचार सामग्री लगाने की अनुमति नहीं है। उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं सीओ डॉ. रितेश कुमार ने कहा कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है । ईओ सीमाब मतीन ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में नियमित निगरानी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी व्यक्ति या दल आचार संहिता का उल्लंघन न कर सके। मौके पर प्रखंड कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मी भी मौजूद रहे। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करें और स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में सहयोग दें।

विधानसभा चुनाव : डीएम के एक पत्र ने खोली पोल
विभागों में छिपाए गए एक हजार कर्मचारी आए बाहर

केटी न्यूज/आरा

जिले में अपने-अपने चहेतों को विभिन्न विभागों के पदाधिकारी छुपा कर रखने की फिराक में थे, परन्तु डीएम के एक पत्र ने सभी का भंडाफोड़ कर दिया। डीएम ने जैसे ही सभी विभागों के हेड से अपने यहां के सभी कर्मी चुनाव में प्रशिक्षण के लिए का शपथ पत्र मांगा, इसके बाद एक हजार नय कर्मी और टपक पड़े। इससे अब चुनाव कार्य में भी सुविधा होगी। भोजपुर जिले में लगभग 24 हजार चुनाव कर्मचारियों को पहले चरण का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान कई कर्मचारियों ने डीएम समेत वरीय पदाधिकारी से शिकायत की कि उनके यहां कई कर्मचारी चुनाव कार्य में नहीं लगाए गए हैं। इसकी जानकारी मिलने के बाद डीएम ने जांच कराई तो पता चला कि विभाग के प्रमुख पदाधिकारी अपने चहेते को चुनाव कार्य से बचाने के लिए उसकी रिपोर्ट ही कार्मिक कोषांग को नहीं भेजी है।इससे नाराज होकर डीएम ने सभी विभागों के प्रमुख पदाधिकारी से एक पत्र जो शपथ पत्र के समान है मांगा कि आप सभी लिख कर दीजिए कि आपके यहां क्या सभी कर्मचारी प्रशिक्षण ले लिए? एक भी कर्मचारी बगैर प्रशिक्षण का नहीं बचना चाहिए। डीएम की इस सख्ती के बाद विवश होकर सभी पदाधिकारी को अपने यहां के बचे हुए कर्मचारियों की संख्या नाम और पता कार्मिक कोषांग को देनी पड़ी। इस तरह से कर्मचारियों की संख्या 24 हजार बढ़कर 25 हजार से भी ज्यादा हो गई। डीएम के इस कदम से विभाग के पदाधिकारियों की मनमर्जी पर जहां अंकुश लगा वहीं दूसरी तरफ चुनाव के लिए और ज्यादा कर्मचारी उपलब्ध हो गए। डीएम के इस कार्य की चर्चा पूरे जिले में चारों ओर हो रही है। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने एवं मतदाता सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय सभागार, भोजपुर में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में विभिन्न कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्यों की अद्यतन समीक्षा की और सभी नोडल पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण कोषांग को सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया। कार्मिक कोषांग को सभी कर्मियों की प्रतिनियुक्ति शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया, वहीं सामग्री कोषांग को निर्वाचन सामग्री की सूची एवं चेकलिस्ट तैयार कर समय पर सभी डिस्पैच सेंटरों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। मीडिया कोषांग को निर्वाचन संबंधी सभी सूचनाओं के समय पर प्रसारण एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग को संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों में एफएसटी/एसएसटी की संख्या बढ़ाने को कहा गया, ताकि व्यय पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। वेबकास्टिंग कोषांग को सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया, जबकि वाहन कोषांग को निर्वाचन कार्य में प्रयुक्त वाहनों का सुव्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने को कहा गया। इसके साथ ही, स्विप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान को गति देने पर जोर दिया गया। कम मतदान वाले क्षेत्रों में चुनावी पाठशालाओं और मतदाता जागरूकता क्लबों के गठन का निर्णय लिया गया, ताकि युवाओं और प्रथम बार मतदाता बनने वालों को मतदान के महत्व से अवगत कराया जा सके। बैठक में यह भी तय हुआ कि रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर एवं निबंध लेखन जैसी गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर डीडीसी गुंजन सिंह, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी डॉक्टर बलदेव चौधरी, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारी, निवार्ची एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत, गांव में शव पहुंचते ही घर में मचा कोहराम

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के नोखा थाना क्षेत्र के करमैनी खुर्द में मंगलवार को सड़क दुर्घटना में मरे युवक 40 वर्षीय श्रीकांत पासवान पिता दीनानाथ राम का शव पहुंचते हीं घर में कोहराम मच गया। मौत की खबर सुन परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की सूचना मिलते ही काफी संख्या में ग्रामीण और आसपास के गांव के लोग पहुंच परिजनों को ढांढस दिलाते रहे। आपको बता दें कि श्रीकांत पासवान सासाराम से ड्यूटी कर ऑटो से अपने गांव करमैनी लौट रहा था, उसके साथ उक्त गांव का ही विश्वास पासवान तथा गांव का भगीना काराकाट थाना क्षेत्र के बुढवल का रहने वाले बिरजू पासवान थे। जो तीनों ऑटो से घर को आ रहे थे कि नोखा थाना क्षेत्र के तराड़ मोड़ के समीप विपरीत दिशा से आ रहे स्कार्पियो ने ऑटो में सामने से टक्कर मार दी । जिसमें करमैनी खुर्द निवासी श्रीकांत पासवान सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जिस घटना में दो अन्य लोग भी बुरी जख्मी हो गए। जख्मी लोगों में एक करमैनी खुर्द निवासी विश्वास पासवान पिता फूलेंद्र पासवान,दूसरे इसी गांव का भांजा काराकाट थाना क्षेत्र के बुढवल निवासी बिरजू पासवान पिता अशोक पासवान शामिल है।

इस घटना संबंध में नोखा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मलकार ने बताया कि तीनों लोगों की मौत के बाद उनके शव को जिला सदर अस्पताल सासाराम में पोस्टमार्टम करा उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। जबकि अन्य दो जख्मी युवकों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खटाल संचालक की हत्या कर फेंका गया शव बरामद

केटी न्यूज/रोहतास

शहर के नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गैस एजेंसी पोखरा के समीप मंगलवार की सुबह खटाल संचालक की हत्या कर फेंका गया शव बरामद हुआ. ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसकी हत्या नुकीले हथियार से की गयी है. मृतक के शरीर पर बायी तरफ छाती पर खून लगा सात, गर्दन पर आठ नुकीलेदार हथियार से घोंपा हुआ खून लगा छेद एवं बाएं हाथ के कलाई पर जख्म का निशान पाया गया, जिसके कारण परिजन द्वारा उनकी हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप लगा रहे हैं. जानकारी के अनुसार मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सेवगार गांव निवासी स्व. लुटावन यादव उर्फ स्व.सलुताव यादव के 50 वर्षीय पुत्र शिवजी यादव हैं. वर्तमान में वह नवादा थाना क्षेत्र के गोढ़ना रोड वार्ड नंबर-44 में अपना मकान बनाकर रहते थे. वह गोढ़ना स्थित गौरैया स्थान के पास अपना खटाल चलाते थे. इधर, मृतक के बेटे रंजन कुमार ने बताया कि उनके खटाल के बगल में नया मार्केट बन रहा है, जिसके अंदर ग्राउंड में पानी लगा हुआ है. इसे लेकर मार्केट वाले उनके खटाल आकर बैठते हैं. तीन-चार वर्ष पहले चुटकुल और पोंगल से जमीन को लेकर झगड़ा हुआ था. उस समय उन लोगों के पास उसके पिता का डेढ़ लाख रुपये बकाया भी था, जो लेना था. हालांकि उस समय बात खत्म हो गयी थी. सोमवार की रात चुटकुल व पोंगल और उनके साथ रहे अन्य लोगों के साथ उसके पिता खटाल से निकले थे. कुछ देर बाद वापस आये और फिर दोबारा उन्हीं लोगों के साथ निकले, पर घर वापस नहीं लौटे. ये सब उन्होंने वहा पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में देखा है. मंगलवार की सुबह उन्हें सूचना मिली कि बहिरो गैस एजेंसी स्थित पोखरा में एक शव बरामद हुआ है. पुलिस शव को सदर अस्पताल ले गयी है. सूचना पाकर परिजन सदर अस्पताल पहुंचे और शव को देख पहचान की. वहीं रंजन कुमार ने बताया कि 29 सितंबर अष्टमी के दिन पूजा समिति के अध्यक्ष विशाल सिंह उसके खटाल पर आया और उसका मढ़ई को तोड़ दिया था और उसके साथ मारपीट भी की थी. उस दौरान उसके पिता द्वारा उसे कहा गया था कि आज के बाद तुम मेरे बेटे से बात मत करना. तुम्हें जो भी बात करनी होगी, मुझसे करना. उसके द्वारा रंजन कुमार से बराबर झगड़ा किया जाता है. बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है. बता दें कि बीते वर्ष 18 अगस्त की देर रात हथियारबंद बदमाशों द्वारा नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति गेट के समीप मृतक के छोटे बेटे आशीष कुमार को गोली मार दी थी. उसे गोली पेट में मारी गयी थी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था. बताया जाता है मृतक अपने दो भाई व एक बहन में छोटे थे. उनके परिवार में छह पुत्र अशोक यादव, मुन्ना यादव, चंदन यादव, रंजन कुमार, राज कुमार, आशीष कुमार व दो पुत्री गीता देवी एवं निक्की देवी है. मृतक की पत्नी तेतरा देवी की मौत दस वर्ष पूर्व हो गयी थी. घटना के बाद मृतक के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है.

एक नजर

चोरों ने ज्वेलर्स और बर्तन दुकान में लाखों की चोरी कर हुए चंपत, व्यवसायी में आक्रोश

काराकाट। काराकाट पंचायत के मुख्य बाजार काराकाट में चोरों का आंतक जारी है । चोरों ने ज्वेलरी व बर्तन भंडार को दूसरी बार निशाना बनाते हुए लगभग सात से आठ लाख रुपए के जेवर चुरा लिए और फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक काराकाट एनएच 120 मुख्य पथ काराकाट पुल के पास रामा शंकर ज्वेलरी व बर्तन भंडार दुकान में करीब सात से आठ लाख रुपए की कीमत के सोना-चांदी के जेवर और बर्तन की चोरी कर ली गई,यह रॉबरी सोमवार की देर रात की हैं। दुकान के मालिक हसनबजार थाना के ग्राम कातर निवासी रामाशंकर वर्मा ने बताया कि सोमवार को शाम सात बजे के करीब दुकान बंद कर घर चले गये । मंगलवार की सुबह में जब मकान मालिक ने हमें फोन कर चोरी होने की वारदात को बताया। मिली सूचना पर दुकान पर पहुंच देखा कि समान इधर उधर बिखरा हुआ था और दुकान का पिछला हिस्सा से दीवार में सेंध मारा गया था। दुकान में रखे समान की खोजबीन किया तो जेवरात और अन्य सोना-चांदी का रखा हुआ सामान व चांदी का जेवरात सहित कई समान गायब है। दुकानदार रामाशंकर वर्मा काफी हैरान व परेशान दिखे। वहां के आसपास के लोग और उनके सगे भाई उमाशंकर वर्मा ने बताया कि ऐसे पिछले महीने के 18 सिंतबर में हमारे इसी दुकान में 1.88 लाख रुपये की चोरी हुई थी। पीड़ित ने काराकाट थाना में जेवरात दुकान में चोरी की अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है, पुलिस चोरी की घटना के बाद स्थल पर पहुंच कर जांच में जुटी हुई है।

इंजेक्शन देने से महिला की मौत, घर में मचा कोहराम

करवां। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करवां गांव में मंगलवार की दोपहर इंजेक्शन देने से एक महिला की मौत हो गयी. इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया. वहीं, परिजन द्वारा ग्रामीण कंपाउंडर पर इंजेक्शन देने से मौत होने का आरोप लगाया जा रहा है. जानकारी के अनुसार मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करवां गांव निवासी अविनाश कुमार साह की 28 वषीर्या पत्नी माया देवी है. इधर, मृतका की जेठानी शोभा देवी ने बताया कि उसे सर्दी-खांसी था. जिसको लेकर कुछ माह पूर्व दियर से आये करवां गांव में एक कंपाउंडर के पास वह खुद दिखाने गयी थी, जहां कंपाउंडर द्वारा उसे इंजेक्शन दिया गया. इसके बाद उसकी तबीयत काफी बिगड़ गयी और वह मुंह से झाग फेंकने लगी. सूचना पाकर वे लोग वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले आये, जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया. इसके पश्चात परिजन बिना पोस्टमार्टम कराये ही शव को वापस गांव ले गये. वहीं, दूसरी तरफ मृतका की जेठानी शोभा देवी ने कंपाउंडर द्वारा इंजेक्शन देने के कारण उसकी मौत होने का आरोप लगाया है. बताया जाता है कि मृतका अपने तीन बहन व दो भाई में बड़ी थी और दो महीने पहले ही उसकी मां कांति देवी की मौत हुई थी. उसका पति गुजरात के अहमदाबाद में स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करता है. उसे दो पुत्र अभय, आर्यन एवं एक पुत्री सुप्रिया है. घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है.

पोखर में डूबा पांच वर्षीय बच्चा, गांव में मातम, तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया

पीरो। पीरो नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-12 स्थित पोखर में मंगलवार की सुबह पांच वर्षीय बच्चा डूब गया. उसकी तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया. जानकारी के अनुसार उक्त बालक सफीक साह का पांच वर्षीय पुत्र इसराफिल साह है. बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह खेलते समय इसराफिल का गुब्बारा पोखर में चला गया था. गुब्बारा निकालने के क्रम में वह फिसलकर गहरे पानी में गिर पड़ा, जिससे वह डूब गया. उसके पिता सफीक साह बीमारी के कारण दिव्यांग हैं और सिलाई कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते हैं. उसके डूबने की खबर सुनकर माता रोकसाना खातून और पिता सफीक साह का रो-रो कर बुरा हाल है. इसराफिल चार भाई-बहनों में तीसरे स्थान पर है. बड़ा भाई अफताब, अरबाज और बहन तेतर हैं.

सूमो-ऑटो की भिड़ंत में ऑटो चालक की मौत, चार लोग जख्मी

आरा। आरा-बक्सर फोरलेन पर जिले के गजराजगंज ओपी क्षेत्र के बामपाली के समीप मंगलवार की सुबह सूमो कार एवं ऑटो में भिड़ंत हो गयी. हादसे में ऑटो चालक की मौत हो गयी. इलाज के दौरान सदर अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया. वहीं, टक्कर के बाद सूमो अनियंत्रित होकर सड़क चाट में पलट गयी. हादसे में सूमो कार पर सवार चालक समेत चार लोग मामूली रूप से जख्मी हो गये. जिनका इलाज निजी अस्पताल में कराया गया. घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा. सूचना पाकर गजराजगंज ओपी इंचार्ज चंचल कुमार महथा घटनास्थल पर पहुंचे और जेसीबी की मदद से चाट में पलटी सूमो कार को बाहर निकलवाया. जानकारी के अनुसार मृतक चांदी थाना क्षेत्र के जलपुरा तापा गांव निवासी राम भवन यादव का 32 वर्षीय पुत्र रंजय कुमार है. वह ऑटो चालक था. इधर, मृतक के भाई विपिन कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह घर से ऑटो लेकर निकले थे. वह पैसेंजर लेकर बामपाली की तरफ जा रहे थे. तभी बामपाली के समीप सूमो ने उनके ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी. इसके बाद गजराजगंज ओपी पुलिस द्वारा उन्हें मिली. सूचना पाकर वे लोग सदर अस्पताल पहुंचे, तो देखा कि भाई मृत पड़ा है, तभी गजराजगंज पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल कराया गया. बताया जाता है कि मृतक अपने चार भाई में दूसरे स्थान पर था. उसके परिवार में पत्नी शोभा देवी व दो पुत्री प्रीती, निशा एवं पुत्र मनीष है. घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया. उसकी पत्नी शोभा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चुनाव में इस्तेमाल के लिए लगनेवाले वाहनों का डेटा बेस करें तैयार : डीएम

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं मतदाता सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में विभिन्न कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी. बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्यों की अद्यतन समीक्षा की गयी तथा सभी नोडल पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये. प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि निर्वाचन संबंधी विभिन्न कार्यों हेतु पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करें. कार्मिक कोषांग के नोडल पदाधिकारी को सभी कोषांगों में कार्यरत कर्मियों की प्रतिनियुक्ति शीघ्रता से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया. सामग्री कोषांग के पदाधिकारी को निर्वाचन कार्य में प्रयुक्त सामग्री की सूची एवं चेकलिस्ट तैयार कर सभी डिस्पैच सेंटरों पर समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया. मीडिया कोषांग को निर्वाचन से संबंधित सभी सूचनाओं के समय पर संप्रेषण को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया. अभ्यर्थी व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग को संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों में एफएसटी/ एसएसटी की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये गये, ताकि अभ्यर्थियों के व्यय की निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके. वेबकास्टिंग कोषांग को सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया. वाहन कोषांग को निर्वाचन कार्य हेतु प्रयुक्त वाहनों का डेटा बेस तैयार कर उसके संचालन को सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया गया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मतदाता जागरूकता के विशेष अभियान चलाए जाएं. विशेषकर कम मतदान प्रतिशत वाले क्षेत्रों में चुनावी पाठशाला एवं मतदाता जागरूकता क्लब का गठन कर युवाओं एवं प्रथम बार मतदाता बनने वालों को मतदान के महत्व से अवगत कराया जाये. इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी ने सभी निवार्ची पदाधिकारियों को पोस्टल बैलेट से संबंधित कार्यों हेतु अतिरिक्त सहायक निवार्ची पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करने तथा राजनीतिक दलों को आदर्श आचार संहिता, व्यय नियम, दावा-आपत्ति प्रक्रिया एवं सभा स्थलों से संबंधित दिशा-निदेशों की जानकारी देने का निर्देश दिया. बैठक में मतदाता जागरूकता के लिए रैलियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर एवं निबंध लेखन जैसी गतिविधियों के माध्यम से अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, ताकि आगामी चुनाव में मतदान प्रतिशत में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी कोषांगों के वरीय एवं नोडल पदाधिकारी, निवार्ची एवं सहायक निवार्ची पदाधिकारी उपस्थित रहे।

105 प्रशिक्षणार्थियों का मारुति सुजुकी कंपनी ने किया चयन

केटी न्यूज/रोहतास

शहर स्थित आर्यमन आईटीआई में मारुति सुजुकी कंपनी द्वारा मंगलवार को कैंपस का आयोजन किया गया। मारुति सुजुकी कंपनी के एचआर विकास मिश्रा एवं प्रियंका सिंह द्वारा आर्यमन आईटीआई में कैंपस के माध्यम से इलेक्ट्रीशियन फीटर एवं डीजल मैकेनिक ट्रेड में कुल 105 प्रशिक्षणार्थियों का चयन गुजरात राज्य स्थित अहमदाबाद मारुति प्लांट के लिए किया गया।

कंपनी के एच आर द्वारा बताया गया कि 18 वर्ष से 26 वर्ष तक की आयु के अभ्यर्थियों का चयन किया गया। जिन्हें कंपनी के द्वारा स्टाइपेंड के रूप में 8 घंटे के कार्य अवधि के लिए कुल राशि रुपया 19 हजार 500 प्रति माह भुगतान होगा। कंपनी की ओर से सब्सिडी के दर पर भोजन छात्रावास,वर्दी,पीएफ तथा कंपनी की नीति के अनुरूप अवकाश की सुविधा उपलब्ध होगी। आर्यमन आईटीआई के निदेशक आर्यमन आशिर्वाद द्वारा कैंपस के आयोजन के लिए मारुति सुजुकी कंपनी को आभार व्यक्त किया गया तथा चयनित प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। मौके पर आईटीआई के अनुदेशक वीरेंद्र प्रताप सिंह,जयराम सिंह, इंद्रजीत कुमार,सुशील एवं राजू कुमार उपस्थित थे।

रेखा हटाओ मसौढ़ी बचाओ : राबड़ी आवास पर हंगामा, लालू की गाड़ी रोकने की कोशिश

एजेंसी। पटना

राजद विधायकों के खिलाफ आए दिन लोगों का आक्रोश निकलकर सामने आ रहा है। आलोक मेहता के बाद अब मसौढी की विधायक रेखा पासवान के खिलाफ लोगों में नाराजगी साफ देखी जा रही है। अपने विधायक के कामों से नाखुश होकर लोग राबड़ी आवास के बाहर पहुंच गये। इस दौरान राजद समर्थकों ने आवास के बाहर जमकर हंगामा मचाया और रेखा पासवान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। लोग रेखा पासवान का टिकट काटे जाने की मांग लालू यादव से करने आए थे। इस दौरान राजद समर्थकों ने आरजेडी सुप्रीमो की गाड़ी को भी रोकने की कोशिश की और 10 सर्कुलर रोड में जमकर नारेबाजी की। लोगों का कहना था कि मसौढ़ी की विधायक रेखा पासवान ने कोई काम नहीं किया है। क्षेत्र का विकास नहीं हुआ है। मसौढ़ी में सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी चीजों का अभाव है। यहां हर काम अधूरा किया गया है। रेखा पासवान जनता से संवाद नहीं करती और ना ही जनता की समस्याएं सुनती है। राजद कार्यकताओं के हंगामे को देख राबड़ी देवी को सामने आना पड़ गया। उन्होंने प्रदर्शन कर रहे लोगों को बुलाया और उनकी बातें सुनीं। प्रदर्शनकारियों ने राबड़ी देवी से कहा कि मसौढ़ी की विधायक रेखा पासवान ने कोई काम नहीं किया है, यदि फिर उन्हें टिकट दिया गया तो आरजेडी की हार निश्चित है। इसलिए रेखा पासवान को उम्मीदवार नहीं बनाया जाए। प्रदर्शन कर रहे लोग हाथ में रेखा हटाओ-मसौढ़ी बचाओ का पोस्टर हाथ में लिए हुए थे और रेखा पासवान का विरोध कर रहे थे। बता दें कि चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। अब तमाम दल अपने-अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करेंगे। ऐसे में राष्ट्रीय जनता दल भी अपने उम्मीदवारों का ऐलान करेगी। उम्मीदवारों की सूची जारी करने से पहले मसौढी से राजद कार्यकताओं का हुजूम मंगलवार को राबड़ी आवास पहुंच गये और रेखा पासवान को टिकट नहीं देने की मांग करने लगे। अब देखने वाली बात होगी कि राजद रेखा पासवान को फिर टिकट देती है या नहीं।

बिहार में शांतिपूर्ण चुनाव को लेकर प्रशासन सतर्क शिवहर में एसएसबी जवानों ने किया फ्लैग मार्च

एजेंसी। पटना

आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद बिहार प्रशासन चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सतर्क हो गया है। शिवहर में एसएसबी जवानों ने फ्लैग मार्च कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।बिहार में आदर्श आचार संहिता लगने के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह से एक्शन मोर्ड में आ गयी है. एसपी शैलेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिला में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष विधानसभा चुनाव-2025 सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है. मंगलवार को शिवहर शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र में ट्रैफिक डीएसपी भाई भरत कुमार, नगर थाना अध्यक्ष रणधीर कुमार सिंह, यातायात थाना अध्यक्ष राजदेव प्रसाद, एससी/एसटी थाना अध्यक्ष संजय स्वरूप, महिला थाना अध्यक्ष कल्याणी कुमारी की अध्यक्षता में एसएसबी के टीम के साथ फ़्लैग मार्च निकाला गया है. इस दौरान लोगों से जिला में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील किया गया है. बताया कि शिवहर विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर को मतदान होना है. जिसको लेकर जिला में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पैदल फ़्लैग मार्च निकाला गया है।

चुनाव की घोषणा के बावजूद सीट बंटवारे पर एनडीए और इंडिया में मंथन जारी

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। छह और 11 नवंबर को दो चरणों में चुनाव की तारीख घोषित हो चुकी है। लेकिन, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) और इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर मंथन जारी है। पटना वीर चंद पटेल मार्ग में भाजपा, जदयू, राजद दफ्तर बाहर गाड़ियों की लंबी कतारें पिछले दो दिनों से लग रही है। आज सुबह से ही इन सभी कार्यालयों में भीड़ है। सोमवार को सुबह से शाम तक लगातार बैठक चली। तेजस्वी यादव ने पोलो रोड स्थित अपने आवास पर सीट बंटवारे को लेकर बैठक की। करीब 80 फीसदी काम दोनों गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर हो चुकी है। लेकिन, कुछ दल को मनाने के चक्कर में सीट बंटवारे को लेकर अब तक घोषणा नहीं हो पाई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीट बंटवारे का काम 80 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को आठ और उपेंद्र कुशवाह की पार्टी को करीब पांच सीटें भाजपा और जदयू देना चाहती है। लेकिन, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा मानने को तैयार नहीं। चिराग 40 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। वहीं जीतन राम मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए आठ विधायक चाहिए। हमारे पास पहले से चार विधायक हैं। ऐसे में 10 से 12 सीटों से कम पर चुनाव हमलोग नहीं लड़ कसते हैं। दोनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया है कि एनडीए के घटक दलों के कहीं कोई मतभेद नहीं है। सबलोग एकजुट हैं। जल्द ही सीट बंटवारे का एलान कर दिया जाएगा।

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की आनाकानी

2020 में महागठबंधन चुनावी मैदान में उतरी थी। इस बार महागठबंधन का नाम इंडिया गठबंधन हो गया। इसमें आठ राजनीतिक दल (कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम), भाकपा माले, विकासशील इंसान पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी) है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को समन्वय समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। सीट बंटवारें को लेकर पिछले दो दिनों से लगातार बैठकें हो रही हैं लेकिन कांग्रेस, वामदल और वीआईपी अपनी-अपनी मांगों पर अड़ी है। तेजस्वी यादव कांग्रेस के पिछले प्रदर्शन को देखते हुए इस बार 55 सीटें देना चाहते हैं लेकिन वह आनाकानी कर रही है। कांग्रेस 70 सीट से कम पर चुनाव लड़ना नहीं चाह रही है। वहीं वाम दल 40 सीट और वीआईपी को डिप्टी सीएम का पद चाहिए। सूत्र बता रहे हैं कि अब तक जो फॉमूर्ला तय हुआ है उसके हिसाब से इंडिया गठबंधन में राजद के खाते में करीब 130, कांग्रेस को 55 सीट, वामदल को 35, वीआईपी को 20 सीटें मिल सकती है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की पार्टी रालोजपा राजद कोटे से पांच सीओं पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। लेकिन, इस फॉमूर्ले को मानने में बिहार कांग्रेस के नेता आनाकानी कर रहे हैं।

एक संकल्प, एक ही नारा विकसित हो बिहार हमारा विषय पर मृदुराज प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 का आयोजन

एजेंसी। पटना

समाजसेवा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय संस्था मृदुराज फाउंडेशन द्वारा आज राजधानी पटना में मृदुराज प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 सह परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय था – एक संकल्प, एक ही नारा – विकसित हो बिहार हमारा। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के सर्वांगीण विकास को लेकर जागरूकता फैलाना और उन प्रतिभाओं को सम्मानित करना था, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से चयनित प्रतिभावानों को ह्यमृदुराज प्रतिभा सम्मान 2025ह्ल से सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र से दीपक कुमार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की रिसर्च स्कॉलर सिमरन राज, दिव्यांग व्हीलचेयर रग्बी खिलाड़ी धीरज कुमार, रैडीशन ग्रुप के एक्जीक्यूटिव सू शेफ अंकित गौरव, बागा दौड़ एथलेटिक्स के खिलाड़ी रिषभ राज, तथा ह्यमार्गदर्शन ट्रस्टह्ल के संस्थापक अजय कुमार शामिल थे। इन सभी व्यक्तित्वों ने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर बिहार का मान बढ़ाया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन संस्था के प्रेरणास्त्रोत स्व. मृदुला सिन्हा जी और स्व. राज किशोर प्रसाद जी की पुण्यतिथि (7 अक्तूबर) के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें समाज के प्रति अपने दायित्वों को स्मरण करने और नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान आयोजित परिचर्चा सत्र में वक्ताओं ने बिहार के विकास पथ पर सार्थक चर्चा की। शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि बिहार को विकसित राज्य बनाने के लिए सामूहिक संकल्प और एकजुट प्रयासों की आवश्यकता है। कार्यक्रम का समापन समाज के प्रति समर्पण और विकास के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेंद्र नीरज और मंच संचालन राजीव रंजन ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद आनंद मोहन, आईजीआईएमएस के अधीक्षक डॉ० मनीष मंडल, विधायक रश्मि वर्मा, विधायक संजीव चौरसिया, के सी ठाकुर और जेडीयू उपाध्यक्ष बी के सिंह मौजूद रहे।

बिहार में यहां स्कॉर्पियो-ऑटो की भीषण टक्कर, 3 लोगों की मौत

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा 2025 चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से चुनावी हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसी क्रम में गयाजी के जन सुराज नेता और नगर निगम पार्षद गजेंद्र सिंह पर बाइक सवार अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। घटना में अपराधियों ने स्कॉर्पियो वाहन पर गोली चलाई, जिसमें एक गोली वाहन को लगी और दो गोलियां चूक गईं। हालांकि, नेता बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, गजेंद्र सिंह सोमवार की देर रात गयाजी शहर के चंदौती थाना क्षेत्र से अपने वाहन से लौट रहे थे। वे उस दौरान एक परिचित से मिलने गए थे। इसके बाद वह अपने आवास एपी कॉलनी लौट रहे थे। चंदौती रोड में, एलआईसी कार्यालय के पास, बाइक सवार अपराधियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान गजेंद्र सिंह ने वाहन को तेज रफ्तार में भगाया और रामपुर थाना पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।रामपुर थाना की पुलिस ने त्र्रक्क दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह ने बताया कि वारदात ऐसी जगह पर हुई है, जहां कोई उउळश कैमरा नहीं लगा हुआ था। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। गजेंद्र सिंह वर्तमान में गयाजी नगर निगम के वार्ड पार्षद हैं। वे गयाजी टाउन विधानसभा क्षेत्र से जनसुराज पार्टी के संभावित प्रत्याशी भी माने जा रहे हैं। उन्होंने वारदात में शामिल अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई है।

शिक्षक पर बाइक सवार अपराधियों ने की दिनदहाड़े फायरिंग, पटना रेफर

औरंगाबाद । बिहार के औरंगाबाद जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के इकौना मोड़ पर दिनदहाड़े एक शिक्षक पर बाइक सवार अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग कर दी, जिससे शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में घायल शिक्षक की पहचान इकौना ग्राम निवासी 45 वर्षीय देवानंद यादव के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षक को रास्ता पूछने के बहाने अपराधियों ने पीछे से गोली मार दी। गोली सीधे सीने में लगी, जिससे वह तुरंत जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद बाइक सवार अपराधी पिस्टल लहराते हुए मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल शिक्षक को तुरंत औरंगाबाद सदर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद शिक्षक की स्थिति गंभीर देख उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया।

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

आज बिहार के 23 जिलों में वर्षा की संभावना

एजेंसी। पटना

बिहार में बारिश का दौर थोड़ा थम गया है लेकिन अभी पूरी तरह राहत नहीं मिली है। पटना समेत ज्यादातर इलाकों में धूप जरूर निकली मगर आज मौसम विभाग ने एक बार फिर 23 जिलों के लिए गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी जारी कर दी है। इन जिलों में अगले 48 घंटों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है और तापमान 2-3 डिग्री चढ़ सकता है। उत्तरी बिहार में अभी भी बादल मंडरा रहे हैं, जबकि दक्षिणी हिस्सों में मौसम ज्यादातर सूखा रहा। सीतामढ़ी के सोनबरसा में पिछले 24 घंटों में 73 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई जो सबसे ज्यादा है। पटना का पारा 30 डिग्री पर पहुंचा तो वहीं वाल्मीकि नगर में 33 डिग्री तक गया। मौसम विज्ञान केंद्र पटना का कहना है कि चक्रवाती हवाओं का असर अभी बाकी है, जिससे कुछ जगहों पर मेघ गर्जन और छिटपुट बारिश का खतरा बना हुआ है। मधेपुरा के बिहारीगंज में 62.8 मिमी, किशनगंज के तैबपुर में 52.4 मिमी, सुपौल के बीरपुर में 40 मिमी जैसी बारिश हुई। अररिया, सुपौल, खगड़िया, बेगूसराय, पूर्णिया और कटिहार जैसे जिलों में भी अच्छी बौछारें पड़ीं। लोग कहते हैं कि ये बारिश फसलों के लिए फायदेमंद रही, लेकिन बिजली की चेतावनी से सब सतर्क हैं। विभाग ने सलाह दी है कि बाहर निकलते वक्त छाता रखें और बिजली गिरने के समय पेड़-पहाड़ी से दूर रहें। पिछले कुछ दिनों से मानसून विदाई की ओर अग्रसर है मगर ये आखिरी बौछारें लोगों को परेशान कर रही हैं। पटना में कल सुबह से हल्के बादल थे, लेकिन दोपहर तक धूप खिल गई। तापमान बढ़ने से उमस फिर लौट सकती है। बाकी जिलों में भी यही ट्रेंड है, बारिश पहले के मुकाबले अब कम हो रही है, लेकिन अलर्ट हटा नहीं है। किसान फसलें बचाने में जुटे हैं और शहरों में ट्रैफिक धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है।

सुभाषितम्

दुसरे के दोष पर ध्यान देते समय हम स्वयं बहुत भले बन जाते हैं। परंतु जब हम अपने दोषों पर ध्यान देंगे। - महात्मा गांधी

अधिसूचना जारी होते ही ओपिनियन पोल का खेल

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही एक बार फिर ओपिनियन पोल का बाजार गर्म हो गया है। जैसे ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने तारीखों की घोषणा की, कुछ ही घंटों में प्रमुख चैनलों पर ह्लएनडीए की बंपर जीतह्व के दावे चलने लगे। सवाल यह है, आखिर ये सर्वे इतने जल्दी कैसे तैयार हो जाते हैं? क्या सचमुच ग्राउंड पर इतने पुख्ता आंकड़े इकट्ठे हो जाते हैं या फिर यह सब एक ह्लपूर्व नियोजित स्क्रिप्टह्व का हिस्सा होता है? बीते वर्षों में देश के मतदाताओं ने देखा है, ओपिनियन पोल किस तरह एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। चैनलों पर दिखने वाले ह्लएनडीए 400 पारह्व जैसे नारे सिर्फ आंकड़े नहीं होते, बल्कि मतदाताओं की मानसिकता को मन माफिक चुनाव परिणाम पाने के लिए तैयार करने वाले होते हैं। इसका सीधा असर उन वोटरों पर पड़ता है, जो आखिरी समय तक निर्णय नहीं ले पाते हैं। जब मीडिया यह माहौल बना देता है, फला-फला की लहर चल रही है। तो कई बार आम मतदाता उसी दिशा में झुक जाता है। यही ओपिनियन पोल का असली खेल है। जनता का नहीं, बल्कि इसे चुनाव जीतने के प्रबंधन के रूप में देखा जाना चाहिए। इस बार भी वही कहानी दोहराई जा रही है। बिहार में जब नीतीश कुमार की साख पर सवाल उठ रहे हैं। जब युवाओं और महिलाओं में आक्रोश दिखाई दे रहा है। तब चैनलों पर दिखाया जा रहा है, एनडीए एकतरफा बढ़त बनाए हुए है। इसके लिए एक करोड़ महिलाओं के खाते में 10,000 रुपये दिए जाने को जीत के रूप में बताया जा रहा है। यह विसंगति बताती है, ग्राउंड की हकीकत और स्टूडियो की कहानी में बहुत बड़ा फर्क है। अब ओपिनियन पोल केवल सर्वे नहीं रहे, ये अरबों रुपए के ह्लनैरेटिव मार्केटह्व का हिस्सा बन चुके हैं। जैसे शेयर बाजार में अफवाहों पर निवेश होता है, वैसे ही राजनीतिक बाजार में इन पोल्स पर सट्टा चलता है। बड़े-बड़े उद्योग समूह और कॉरपोरेट हाउस चैनलों को फंड करते हैं। उन्हें पता होता है, कौन-सी खबर चलाने से किसे लाभ होगा। मीडिया की यह भूमिका बेहद चिंताजनक है। लोकतंत्र में मीडिया का दायित्व जनता को सूचना देना, सवाल उठाना और सत्ता को जवाबदेह बनाना है। नाकि सत्ता के पक्ष में माहौल बनाना है। जब मीडिया जनता के बजाय सत्ताधारियों के लिए काम करने लगे। तब लोकतंत्र कमजोर पड़ता है। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से चुनाव आयोग की गड़बड़ियों को उजागर किया गया है। एक राज्य का मतदाता दूसरे राज्य में भेज दिया जाता है। मतदान होने के कई दिनों तक लगातार मतदाताओं के परसेंटेज घटाए और बढाये जाते हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम की गड़बड़ियां सामने आ चुकी है। उसके बाद वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे आंदोलन शुरू हो गए हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। जो चुनाव परिणाम आए हैं उनमें किस तरह की गड़बड़ी हुई है यह उजागर हो चुका है। ऐसे में ओपिनियन पोल के जरिए परिणाम पर लोगों को विश्वास हो जाए इसके लिए भी ओपिनियन पोल सत्ता पक्ष के लिए बड़े कारगर साबित हो रहे हैं। बिहार के मतदाताओं को यह समझना होगा, टीवी स्क्रीन पर दिखाया जाने वाला हर आंकड़ा सच्चाई नहीं होता। असली ओपिनियन पोल तो गांवों, कस्बों और गलियों में होता है। जहां जनता अपने अनुभव से वोट डालती है। बिहार के विधानसभा चुनाव में अभी से यह ओपिनियन बनाया जाने लगा है कि सरकार द्वारा जो 10000 रुपये महिलाओं के खाते में डाले गए हैं चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद भी यह मतदाताओं के खाते में डलते रहेंगे। महिलाओं का समर्थन एनडीए के पक्ष में जा रहा है। इसलिए बिहार विधानसभा के चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीतेगी इसका काम टेलीविजन चैनलों द्वारा ओपिनियन पोल के जरिए शुरू कर दिया गया है। सरकारी पैसा है और सरकार द्वारा वोट पाने के लिए चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए यह रेवड़ी बांटी जा रही है। जो चुनाव आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन है।

चिंतन-मनन

क्या है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि खिलौने हैं। हम अपने को खिलौना मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात ब्रह्म है। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने ठग लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यन्तवन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः। पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए। महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है? यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं। जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं वे? यमदूत बोले-ये आपको रोकना चाहते हैं। जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं? यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्पर्श करके पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली। जनक जी बोले- हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे। तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर।

भारत की पर्यटन यात्रा को पीएम मोदी ने दिया नया रूप

- गजेंद्र सिंह शेखावत

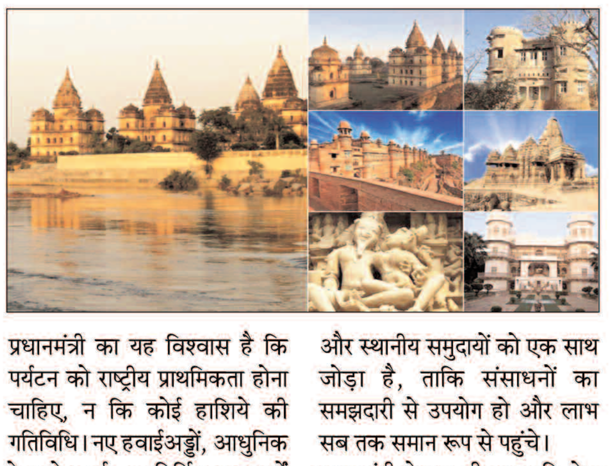

पर्यटन केवल यात्रा करना नहीं है, यह लोगों को जोड़ने वाला पुल है, रोजगार का साधन है और हमारी संस्कृति को दुनिया तक पहुंचाने का माध्यम है। पर्यटन और सतत परिवर्तन को समर्पित इस विश्व पर्यटन दिवस पर, यह समझना जरूरी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में भारत की पर्यटन यात्रा को कैसे नया रूप दिया गया है। जो पहले कभी मौसमी और बिखरा हुआ क्षेत्र था, वह आज योजनाबद्ध, समावेशी और सतत राष्ट्रीय विकास का प्रमुख साधन बन गया है। यह बदलाव केवल कल्पनाओं में नहीं, बल्कि लोगों की ज़िंदगी में दिखाई देता है। जून 2025 तक भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या 16.5 लाख पहुंच गई, विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या 84.4 लाख रही और पर्यटन से विदेशी मुद्रा आय 51,532 करोड़ तक पहुंची। अकेले 2023-24 में ही इस क्षेत्र ने जीडीपी में 15.73 लाख करोड़ का योगदान दिया, जो अर्थव्यवस्था का पांच प्रतिशत से अधिक है और 8.4 करोड़ से ज्यादा नौकरियों को सहारा दिया। इन आंकड़ों के पीछे कारीगरों को नए बाजार मिलना, परिवारों का होमस्टे शुरू करना, और गाइड, चालक व छोटे व्यवसायियों के लिए लगातार काम और मांग का अवसर जुड़ा हुआ है। इस प्रगति के केंद्र में प्रधानमंत्री का यह विश्वास है कि पर्यटन को राष्ट्रीय प्राथमिकता होना चाहिए, न कि कोई हाशिये की गतिविधि। नए हवाईअड्डों, आधुनिक रेल नेटवर्क, नवनिर्मित राजमार्गों और आंतरिक जलमार्गों से बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी का विस्तार किया गया। उड़ान योजना ने हवाई यात्रा को छोटे शहरों की पहुंच में ला दिया। धरोहर स्थलों और तीर्थ यात्राओं के मार्गों तक बेहतर अंतिम कनेक्टिविटी ने उन लाखों लोगों के लिए यात्रा संभव कर दी, जो पहले दूरी या खर्च के कारण वंचित रह जाते थे। इस तरह पर्यटन अब केवल शहरी विलासिता न होकर संतुलित क्षेत्रीय विकास का साधन बन गया है। गंतव्य (डेस्टिनेशन) विकास भी इसी दृष्टि से आगे बढ़ाया गया है। स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद जैसे कार्यक्रम स्थिरता और सांस्कृतिक अखंडता को अपने केंद्र में रखते हैं। डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गनाइजेशन की शुरूआत ने सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को एक साथ जोड़ा है, ताकि संसाधनों का समझदारी से उपयोग हो और लाभ सब तक समान रूप से पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने यह भी नया दृष्टिकोण दिया है कि भारत दुनिया के सामने खुद को कैसे प्रस्तुत करे। नए रूप में अतुल्य भारत पोर्टल, वैश्विक यात्रा प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के नए तरीके ने सबसे छोटे संचालकों, ग्रामीण मेजबानों, होमस्टे चलाने वाले परिवार, सांस्कृतिक उद्यमियों को भी वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने का अवसर दिया है। तकनीक अब केवल प्रचार का साधन ही नहीं रही, बल्कि डेटा-आधारित प्रबंधन के जरिए संवेदनशील स्थलों की सुरक्षा का माध्यम भी बन गई है। हालांकि, इस बदलाव की सबसे बड़ी विशेषता स्थिरता है। प्रधानमंत्री ने अपने व्यापक लाइफ आंदोलन (लाइफस्टाइल फॉर एंवायरमेंट) को आगे बढ़ाते हुए ट्रैवल फॉर लाइफ की शुरूआत की, जिसमें पर्यटन को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया। कम प्रभाव वाले ग्रामीण अनुभवों से लेकर पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बुनियादी ढांचे और ज़िम्मेदार तीर्थ प्रबंधन तक, पूरा जोर इस बात पर है कि यात्रा प्रकृति को संवारने वाली हो, न कि उसे नुकसान पहुँचाने वाली। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत, वैश्विक पर्यटन को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ने के लिए गोवा रोडमैप को आगे बढ़ाया गया, जिसमें हरित विकास, कौशल विकास, डिजिटलीकरण और सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के समर्थन को वैश्विक चर्चा के केंद्र में रखा गया।

ज्यादा यात्रियों का मतलब है ज्यादा भरे हुए होटल, स्थानीय सेवाओं की बढ़ती माँग और कारीगरों व उद्यमियों के लिए नए अवसर। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया है, सामर्थ्य केवल एक आर्थिक साधन नहीं, बल्कि एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है, राजकोषीय सुधारों ने भी इन संरचनात्मक बदलावों को और मजबूती दी है। हाल का सबसे अहम कदम रहा 1,000 से 7,500 रुपये तक के होटल कमरों पर जीएसटी घटाकर 5% करना। यह सोच-समझकर उठाया गया कदम था ताकि मध्यम वर्ग के यात्री प्रोत्साहित हों, जिनकी तीर्थ यात्राएं, वीकेंड ट्रिप और ग्रामीण प्रवास पर्यटन क्षेत्र को बड़ा सहारा देते हैं। हालांकि, इनपुट टैक्स क्रेडिट वापस लेने पर बहस जारी है, लेकिन इसका व्यापक असर स्पष्ट है। किफायती दामों ने अधिक लोगों के लिए पर्यटन का रास्ता खोला है। अधिक यात्री मतलब भरे हुए होटल, स्थानीय सेवाओं की ज्यादा मांग और कारीगरों व उद्यमियों के लिए नए अवसर। जैसा प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा है, किफायत सिर्फ. आर्थिक उपाय नहीं बल्कि एक लोकतांत्रिक सिद्धांत है, जो यात्रा को कुछ लोगों के विशेषाधिकार के बजाय बहुतों का अधिकार बनाता है। फिर भी, प्रधानमंत्री लगातार यह याद दिलाते रहे हैं कि केवल नीतियां ही काफी नहीं हैं। असली बदलाव के लिए समुदाय का सहयोग जरूरी है। इसीलिए कार्यक्रम स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षित करते हैं, पर्यावरण-अनुकूल आतिथ्य को प्रोत्साहित करते हैं, कारीगरों को व्यापक बाजारों तक पहुंचने में मदद करते हैं और तीर्थयात्रा मार्गों की पवित्रता की रक्षा करते हैं। इस दृष्टि में पर्यटन ऊपर से थोपा नहीं जाता, बल्कि उन्हीं लोगों के साथ मिलकर गढ़ा जाता है, जिनकी ज़िंदगी पर इसका सबसे गहरा असर पड़ता है। चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। ढांचे की कमियां, जलवायु परिवर्तन की संवेदनशीलताएं, और आधुनिक यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाएं, लेकिन आज भारत के पास इनसे निपटने के साधन हैं। मोदी जी के नेतृत्व में हमने ऐसी संस्थाएं, वित्तीय मॉडल और शासन व्यवस्था तैयार की हैं जो इन चुनौतियों का सामना कर सकें। आगे बढ़ते हुए, तीन प्राथमिकताएं हमें मार्गदर्शन देंगी। हमें स्थिरता को और गहरा करना होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास हमेशा पर्यावरणीय लाभ भी दे। हमें लाभों को लोकतांत्रिक बनाना होगा, यानी स्थानीय नौकरियां पैदा करने वाले एमएसएमई और मध्यम स्तर के उद्यमों में निवेश करना होगा। और हमें शासन और डेटा को मजबूत करना होगा ताकि संसाधनों का समझदारी से प्रबंधन हो और संपत्तियों की रक्षा हो सके। भारत का अनुभव यह साबित करता है कि जब सुसंगत नीति, राजकोषीय विवेक और समुदाय की भागीदारी दूरदर्शी नेतृत्व के तहत एक साथ आती है, तो असली बदलाव संभव होता है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर, आइए हम यह संकल्प लें कि जिम्मेदारी के साथ यात्रा करेंगे, स्थानीय रोजगार का समर्थन करेंगे और हर यात्रा कार्यक्रम में विकसित भारत के वादे को जीवंत रखेंगे। सही ढंग से पोषित पर्यटन न केवल हमारी अर्थव्यवस्था का स्तंभ बनेगा, बल्कि भारत की सभ्यतागत लोक व्यवहार यानी खुला, सहनशील और आतिथ्यपूर्ण का जीवित प्रमाण भी बनेगा।

बिहार में चुनाव का बिगुल बजते ही जोड़तोड़ में लग गई राजनीतिक पार्टियां

- कांतिलाल मांडोत

बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही राज्य और देश मे चुनाव को लेकर अटकलें भी थम गई। बिहार में इस बार दो चरण में मतदान होने जा रहा है। यह पिछले कई वर्षों में सबसे छोटा चुनाव है। बिहार में इस बार एसआईआर सबसे बड़ा फैक्टर है। मतदान सूची से 68.5 लाख नाम हट चुके है। बिहार में राजद और कांग्रेस का मुस्लिमो के समर्थन पर ही दोनो दलों का भविष्य टिका है। कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओ की सबसे बड़ी हितचिंतक है। राजद के सुप्रीमो तेजस्वी भी मुस्लिमो के हितचिंतक होने का दावा करते है। बिहार में इनको भी लगने लगा है कि राजद और कांग्रेस सिर्फ दिखावटी बाते करती है। इंडिया गठबंधन के दोनो घटक दल राजद और कांग्रेस में बड़ा याराना है। दोनो दल अभी तक अपने हिस्से की सीटें निकालने पर चिंतन कर रहे है,फिर भी संशय है। मुस्लिमो का बड़ा तबका यह समझता है कि तेजस्वी और कांग्रेस के राज में राजनीतिक रसूख ज्यादा रहता है। लेकिन सत्ता में आने पर ही वोट देने का सही फायदा है। मुस्लिमो को पुलिस आदि का सरंक्षण चाहिए होता है,वह राजद और कांग्रेस से मिल जाता है। इसलिए मुस्लिम समाज का झुकाव राजद की तरफ दिखाई देता है। बिहार में कांग्रेस का जनाधार नही के बराबर है। मुसलमानों की पहली पसंद कांग्रेस दिखती है और दूसरी राजद। लेकिन कांग्रेस कई वर्षों से सत्ता से बाहर है। बिहार में समीकरण बदल गए है। नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और नीतीश की विकास की नीतियों से दूसरे दलों में मतदाताओ ने किनारा करना शुरू कर दिया। हर चुनाव में अनुमान ध्वस्त होते दिखाई दिए है। पिछली विधानसभा के चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा को 74 सीटे मिली थी। 19.46 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। जदयू को 43 सीटे और 15.39 प्रतिशत वोट मिले थे। राजद को 75 सीटे मिली थी। और वोट 23.11 प्रतिशत प्राप्त हुए। उधर ,कांग्रेस की झोली में 19 सीटे प्राप्त हुई। कांग्रेस के मुस्लिम वोट में राजद की सेंधमारी से बड़ाफायदा मिला था। वामदल और अन्य के हिस्सों में 16-16 सीटे गई थी। बिहार की गणित दलित,ओबिसी और मुस्लिम वोटों पर टिकी हुई है। दावे,वादे और बदलते समीकरण से मतदाताओ को भांपना मुश्किल होता जा रहा है। जदयू और भाजपा गठबंधन की एनडीए को बिहार से दोनो पार्टी की 12-12 सीटें मिली थी। बिहार में मुस्लिमो की 17.70 प्रतिशत आबादी का वोट शेयर दोनों पार्टियों के हिस्से में जाता है। मुस्लिमपरस्त राजनीति ने भाजपा की सम्भावनाओ को बढ़ा दिया है । बीस सालों से बिहार की राजनीति में अंगद की तरह पैर जमा चुके सुशासन बाबू नीतीशकुमार की बिहार में उज्ज्वल छवि है। लोग नीतीश कुमार की नीतियों के कायल है। उनके शब्दो पर भरोसा करते है। लालू के जंगलराज के बाद तेजस्वी ने अव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर नई रणनीति बनाकर पार्टी को 2020 में 75 सीटे दिलाई। बिहार के मतदाताओ पर घोर किया जाए तो ईबीसी की 36 प्रतिशत आबादी के हितों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। बिहार में कुल 63 प्रतिशत ओबिसी-ईबीसी की आबादी ही निर्णायक होगी। एससी -एसटी के 21 प्रतिशत वोट पर राजनैतिक दलों की नजर है। जाति के इस गणित को समझना टेडी खीर है। लेकिन विकास के वादे और रोजगार पर सत्तारूढ़ दल ने महिलाओ को मदद की है। उससे भी एनडीए को सीधा लाभ मिलेगा। जदयू के पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में वोट शेयर ने घटा था। उसके कई कारण हो सकते है। बिहार की लोकगायिका मैथेली की बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ने की सम्भावना जताई जा रही है। उसके बाद नरेंद्र मोदी के प्रति भरोसा और विकास के लिए जरूरत बिहार में ज्यादा दिखती है । भाजपा ने ओबोसी,ईबीसी,एसी-एसटी पर भर भरोसा जताया है। राजद,कांग्रेस में मुस्लिमो को अपनी तरफ खींचने की कवायद से हिन्दुओ में ध्रुवीकरण हुआ तो उसका फायदा सीधा भाजपा को हो सकता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो तेजस्वी ने उसे अपने पीछे दौड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल गांधी की लाख कोशिशों और तेजस्वी की सारी रणनीतियों के बावजूद बिहार में लोगो का ध्यान आकृष्ट तो कर सकते है लेकिन सत्य को पराजित नही जा सकता है। कांग्रेस ने राजद की अंगुली पकड कर बिहार की राजनीति में भूचाल लाने की रणनीति के पीछे प्रियंका की चाटूकारिता रही है। दोनो भाई बहन की बिहार में प्रतिष्ठा का सवाल खड़ा हो गया है। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर है। उधर,11 नामो के साथ बिहार में आम आदमी पार्टी ने सूची जारी की है। बिहार में बीजेपी की मैराथन बैठक में बिहार के सिटिंग विधायको को लेकर चिंतन किया जा रहा है। दावेदारी किसको देनी है इसका मसाला केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। सुझाव समिति की सभी सदस्यों ने अपना सुझाव दिया है और मजबूत उम्मीदवार को तवज्जों दी जा रही है। बीजेपी बिहार में एनडीए के सहयोग से पूरी ताकत झोंकेगी। शाहबाद और मगध एनडीए के लिए प्राथमिकता रहेंगे। क्योकि 2020 के विधानसभा चुनाव में इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन नही कर सकी। बिहार में कांग्रेस पहले से ही कमजोर स्थिति में है। ऊपर से सीटो के त्याग संशय से चिंतन है। कांग्रेस के पास बिहार में मजबूत नेता की जरूरत है। तभी समीकरण सधता नजर आ सकता है । वैसे तो सूबे में तिकोना संघर्ष है। लेकिन चतुष्कोणीय मुकाबला करा सकती है। राजद और कांग्रेस की सौदेबाजी पर सबकी नजर है। कांग्रेस को अब नाक बचाने की चिंता है।

कफ सिरप विवाद-सर्दी खांसी की दवा से पैदा हुआ राष्ट्रीय अलार्म

- किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में पिछले कुछ समय से दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में एक कफ सिरप को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ है,उसने न केवल भारत के कई राज्यों को कार्रवाई के लिए मजबूर किया है, बल्कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय भी बन गया है। तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र राजस्थान और केरल जैसे राज्यों ने इस सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि गुजरात समेत कई अन्य राज्यों ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हुँ कि यह पूरा प्रकरण भारत के औषधि नियंत्रण ढांचे,दवा उद्योग की पारदर्शिता, और बच्चों की सेहत से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कफ सिरप विवाद- खांसी की दवा से पैदा हुआ राष्ट्रीय अलार्म और अंतरराष्ट्रीय चिंता- स्वास्थ्य सुरक्षा,नियमन और जवाबदेही पर व्यापक विश्लेषण साथियों बात अगर हम एक कफ सिरप विवाद की पृष्ठभूमि, प्रतिबन्ध तथा एक साधारण खांसी की दवा से कैसे मचा हाहाकार इसको समझने की करें तो एक कफ सिरप एक ओवर- द-काउंटर (ओटीसी) दवा के रूप में बाजार में बेची जा रही थी। यह सामान्य तौर पर सर्दी, खांसी और जुकाम से राहत के लिए दी जाती थी। इस सिरप का निर्माण कई छोटी फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा किया जा रहा था, और यह विभिन्न ब्रांड नामों से ग्रामीण और शहरी बाजारों में उपलब्ध थी। विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ राज्यों में स्वास्थ्य विभागों को रिपोर्ट मिली कि बच्चों को यह सिरप देने के बाद उल्टी, सांस लेने में तकलीफ और लिवर फेल्योर जैसी लक्षण सामने आ रहे हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत के बाद महाराष्ट्र एफडीए ने कोल्ड्रिफ सिरप (बैच एसआर -13) की बिक्री और उपयोग पर रोक लगा दी है।यूपी ड्रग्स विभाग ने मेडिकल स्टोर में रखे गए कफ सिरप के जांच के आदेश दे दिए हैं, इस सिरप से अब तक एमपी में 16 और राजस्थान में 3 बच्चों की मौत होने की जानकारी मीडिया में आ रही है,इसके बाद जब प्रयोगशाला में जांच की गई, तो पाया गया कि इस दवा में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल जैसे अत्यंत जहरीले रासायनिक तत्व मौजूद हैं। इन दोनों रसायनों का उपयोग सामान्यतः एंटीफ्रीज के रूप में औद्योगिक प्रक्रियाओं में किया जाता है, और इनका मानव शरीर में प्रवेश घातक साबित होसकता है। यही वह बिंदु था जिसने उस कफ सिरप को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद के केंद्र में ला दिया।किन राज्यों ने की कार्रवाई-तमिलनाडु से केरल तक बैन की लहर-इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई राज्यों ने तुरंत कदम उठाए। (1) तमिलनाडु सरकार ने सबसे पहले इस सिरप की बिक्री और वितरण पर रोक लगाने की घोषणा की। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बच्चों में विषाक्तता के कुछ मामले देखने के बाद एहतियाती कदम उठाना जरूरी था। (2) मध्य प्रदेश ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) को आदेश दिए कि वे इस सिरप के सभी बैचों को बाजार से वापस लें और जांच रिपोर्ट आने तक इसकी बिक्री बंद रखें। (3) महाराष्ट्र सरकार ने इसी दिशा में कदम उठाते हुए सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर्स को नोटिस जारी किया कि वे इस सिरप को अपने स्टॉक से हटा दें।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं।

तुला आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नये स्रोत बनेंगे।

वृषभ पारिवार के लोगों के साथ सुखद बीतेगा। आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

वृश्चिक पक्ष मजबूत रहने वाला है। धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होने के योग दिख रहे हैं।

मिथुन उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति होती दिख रही है।

धनु जरूरी वस्तुओं पर धन का खर्चा हो सकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क राशि स्वामी की उत्तम स्थिति बृहस्पति का द्वादश होकर परिभ्रमण आपके लिए शुभ रहने वाला है।

मकर लाभ होने का हर्ष होगा। मकर राशि वालों की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती दिख रही है।

सिंह क्षेत्र में सोच से अधिक सफलता मिलेगी। आपको कोई बड़ा पद या जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ आज पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट हो सकता है। इसके कारण भागदौड़ करनी पड़ेगी।

कन्या तत्परता से आपको लाभ होगा। घर-परिवार में किसी मंगल कार्यों के आयोजन से आपको खुशी होगी।

मीन आज वैवाहिक जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आज पास व दूर की यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

विशेष

हरियाणा कांग्रेस के लिए मुसीबत था, मुसीबत रहेगा

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एक बार फिर कांग्रेस आला कमान को झुकने पर मजबूर कर दिया है। राहुल गांधी ने अभी तक विधायक दल के नेता के चुनाव को रोक रखा था। राहुल गांधी किसी नए व्यक्ति को कमान देना चाह रहे थे। हरियाणा में कांग्रेस की सरकार नहीं बनी। कोटा ने राहुल गांधी को वचन दिया था, इस बार सरकार नहीं बनेगी, तो वह नए आदमी के लिए रास्ता देंगे। अब अपने वचन से हुड्डा पीछे हट रहे हैं। कांग्रेस हाई कमान को एक बार फिर भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम पर मुहर लगाना पड़ी।हरियाणा जाटों का प्रदेश है। हरियाणा में महाभारत का युद्ध हुआ था।उसका असर आज भी हरियाणा में देखने को मिलता है।यही कहा जा सकता है।

चिदंबरम अब नये रूप में, मणि शंकर की याद दिलाई

पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने ऐसे समय पर बयान जारी किया है। जिसको लेकर केंद्र की सरकार और प्रधानमंत्री को नई ऑक्सीजन मिल गई है। चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा, 26 नवंबर 2008 को मुंबई के आतंकवादी हमले के बाद अमेरिका के दबाव में कांग्रेस की सरकार ने पाकिस्तान पर हमला नहीं किया। वह चाहते थे कि पाकिस्तान के ऊपर हमला किया जाए। उसे समय गृहमंत्री स्वयं पी चिदंबरम थे। यदि इन्हें सरकार का निर्णय पसंद नहीं था, तो इस्तीफा देकर बाहर हो जाते। कांग्रेस के बड़े छत्रप गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1843: इंग्लैंड और चीन के बीच व्यापारिक संधि हुई। 1858: इंग्लैंड और चीन के बीच दूसरा युद्ध भड़का। 1919: गांधीजी ने यंग इंडिया पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया था। 1931: अमरीका और चीन में व्यापारिक संधि हुई। 1934: उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी अमरीकी चार्ल्स लिंडबर्ग के पुत्र की हत्या के मामले में ब्रूनो हाप्टमैन को दोषी करार दिया गया। 1939: जर्मनी ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड को अपना हिस्सा बना लिया। 1954: कम्युनिस्ट फौजों ने वियतनाम में हनोई पर कब्जा किया। 1961: राजकुमार सोवन्ना फोउमा लाओस में मिली जुली सरकार के प्रमुख बने। 1971: लोकनायक जयप्रकाश नारायण का निधन । 1984: चीन ने प्राथमिक शिक्षा अनिवार्य और निरक्षरता दूर करने की योजना की घोषणा की। 1987 तमिल उग्रवादियों ने 24 लोगों की हत्या कर दी।

दैनिक पंचांग

8 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

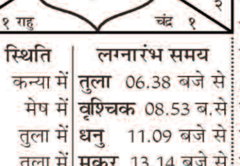

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.38 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	08.53 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.09 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.14 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.01 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.33 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.04 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.44 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.42 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कर्क	23.56 बजे से
		सिंह	02.12 बजे से
		कन्या	04.24 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 281 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वितीया 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 22.45 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 01.33 बजे रात्र को समाप्त।
करण तैतिल 16.09 बजे तदनन्तर गर 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 54'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872491
जूलियन दिन 2460956.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी **तारीख** 15

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

धनबाद स्टेशन पर लगेज स्कैनर में बच्चे का हाथ फंसा, एक घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला गया

धनबाद, एजेंसी। धनबाद रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टल गया। स्टेशन के साउथ प्लेटफॉर्म साइड एग्जिट गेट पर लगेज स्कैनिंग मशीन में एक बच्चे का हाथ फंस गया था। यह घटना रात करीब 9 :40 बजे की है। बच्चे के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। तुरंत रेलवे सुरक्षा बल और स्टेशन स्टाफ मौके पर पहुंचे और मशीन को बंद करवाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद बच्चे का हाथ सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घायल बच्चे की पहचान शुभम अग्रवाल के रूप में हुई है, जो धनबाद के पुराना बाजार निवासी राजीव रंजन अग्रवाल उर्फ बबलू अग्रवाल का बेटा है। जानकारी के अनुसार, शुभम अपने परिवार के साथ इंटरसिटी एक्सप्रेस से धनबाद पहुंचा था। बारिश के कारण परिवार कुछ देर स्टेशन के एग्जिट गेट के पास ही रुक गया था। इसी दौरान शुभम खेलते-खेलते लगेज स्कैनिंग मशीन के पास चला गया। उसका दाहिना हाथ मशीन के रोलर में फंस गया। बच्चे के दर्द से कराहने की आवाज सुनकर परिवार और यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद रेलवे कर्मचारी तुरंत सक्रिय हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ और तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। सबसे पहले मशीन का संचालन बंद किया गया ताकि हाथ पर और दबाव न पड़े। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने सावधानीपूर्वक काम शुरू किया। लगभग एक घंटे के प्रयास के बाद मशीन के प्लेट को कटर से काटकर बच्चे का हाथ बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया।

डोरंडा कॉलेज के दिवाकर व वीमेंस कॉलेज की दीक्षा को राष्ट्रपति ने दिया एनएसएस सर्वोच्च पुरस्कार

रांची, एजेंसी। आरयू के दिवाकर आनंद (डोरंडा कॉलेज) व दीक्षा कुमारी (रांची वीमेंस कॉलेज) को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया। दिवाकर और दीक्षा ने एनएसएस के माध्यम से समाज सेवा और सामुदायिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, जिसके लिए उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान मिला है। कुलपति प्रो. (डॉ.) डीके सिंह ने कहा कि यह पुरस्कार छात्रों को आगे भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने की प्रेरणा देगा। आज विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक नया अध्याय जुड़ गया है। डॉ. ब्रजेश कुमार ने कहा कि दिवाकर और दीक्षा के साथ देशभर के 30 स्वयंसेवकों को भी सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। बधाई देने वालों में विवि अधिकारियों में डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू, कुलानुशासक डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ. पीके झा, वित्त पदाधिकारी डॉ. दिलीप प्रसाद, कुलसचिव डॉ. गुरु चरण साहू, डीआर डॉ. अजय लकड़ा, पूर्व डीआर, डॉ. प्रीतम कुमार, प्रिंसिपल डॉ. राजकुमार शर्मा, डॉ विनीता सिंह शामिल हैं। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. कुमारी उर्वशी और डॉ. कंचन मुंडा ने कहा कि दिवाकर आनंद और दीक्षा कुमारी की उपलब्धि ने झारखंड का गौरव बढ़ाया है। डोरंडा कॉलेज के दिवाकर आनंद एमए इकोनॉमिक्स के छात्र हैं और ग्रामीण साक्षरता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई है। इसके साथ नशामुक्ति और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में भी भाग लिया। रक्तदान शिविरों के सफल आयोजन में हमेशा आगे रहे। पर्यावरण जागरूकता और सामाजिक समरसता के लिए भी कई उत्कृष्ट कार्य किए। दीक्षा कुमारी ने स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया है। उन्होंने महिला सशक्तीकरण व शिक्षा सहायता कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लिए। वृक्षारोपण व सामाजिक न्याय से जुड़े प्रयास किए और ग्रामीण व शहरी स्लम क्षेत्रों में जन-जागरूकता अभियान चलाया।

पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में घायल मिली हथिनी, पैर में गहरा जख्म

आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने की आशंका

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा जिले के सारंडा जंगल में एक बार फिर एक मादा हाथी घायल हालत में मिली है। यह घटना मनोहरपुर प्रखंड के बांधटोली गांव के पास कंपार्टमेंट संख्या-36 में सामने आई। आठ से दस वर्ष की उम्र की इस हथिनी के अगले दाहिने पैर में गहरा जख्म है। सभी उंगलियां उड़ी हुई हैं। वन विभाग को आशंका है कि वह माओवादियों द्वारा बिछाए गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आई है। यह घटना तीन महीनों में तीसरी बार हुई है जब सारंडा में कोई हाथी विस्फोट से घायल मिला है। घायल हथिनी पाए जाने की घटना रविवार रात की है। आज इसका वीडियो सामने आया है।

वन विभाग ने दिखाई तत्परता, मौके पर पहुंची टीम : घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम देर रात ही सक्रिय हो गई। सोमवार सुबह विभागीय कर्मी और प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजय घोलटकर मौके पर पहुंचे। चिकित्सक ने घायल हथिनी को केले में डालकर एंटीबायोटिक और सूजन कम करने की दवा खिलाई। डॉ. घोलटकर के अनुसार, जख्म 6 से 7 दिन पुराना है और किसी बड़े प्रभाव से हुआ है। उन्होंने आईईडी विस्फोट की संभावना से इनकार नहीं किया। वर्तमान में हथिनी की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। वन विभाग लगातार निगरानी में है।

पहले भी दो हाथियों की मौत आईईडी विस्फोट में : सारंडा जंगल में यह तीसरा मामला है जब किसी हाथी को आईईडी विस्फोट से नुकसान पहुंचा है। इससे पहले जुलाई में दो हाथियों की मौत हो चुकी है।

पांच जुलाई को ट्रेंक्युलाइज कर रेस्क्यू किए गए पहले हाथी ने इलाज शुरू होने के 40 मिनट के भीतर दम तोड़ दिया था। जबकि नौ जुलाई को घायल दूसरे हाथी की मौत आधे घंटे में हो गई थी। दोनों घटनाओं में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट जिम्मेदार पाए गए थे, जिससे वन विभाग और वन्यजीव प्रेमियों में गहरी चिंता व्याप्त है।

वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी की मांग फिर हुई तेज : सारंडा एशिया का सबसे बड़ा साल वन क्षेत्र है। यह हाथियों के लिए अहम प्राकृतिक कॉरिडोर माना जाता है। इसके बावजूद इसे अब तक वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी का दर्जा नहीं मिला है। लगातार हो रही घटनाओं ने एक बार फिर इसकी जरूरत को बताया है।

राज्य सरकार ने पहले सुप्रीम कोर्ट में सारंडा को सेंक्चुरी घोषित करने का हलफनामा दिया था, जिस पर 8 अक्टूबर को सुनवाई होनी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सारंडा को सेंक्चुरी का दर्जा दिया जाता है, तो इससे न केवल हाथियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि मानव-हाथी संघर्ष भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

रांची जा रही बस कोडरमा में पलटी, एक दर्जन से अधिक यात्री हुए घायल

सतगावां (कोडरमा), एजेंसी। सोमवार की अलसुबह कोडरमा जिले के सतगावां थाना क्षेत्र अंतर्गत अंगार मोड़ के समीप बड़ा सड़क हादसा हो गया। सतगावां से रांची जा रही सागर यात्री बस (संख्या जेएच-02बीटी-5673) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। सभी घायल यात्री दर्द के कारण सड़क पर छटपटा रहे थे। घटना के बाद घटनास्थल के आसपास अफरातफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 11 गंभीर रूप से घायल यात्रियों को बेहतर इलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल रेफर किया गया।

घायलों में सचिन कुमार (18), रानी देवी (41), अंकित कुमार (20), रामस्वरूप प्रसाद यादव (55), काजल कुमारी (18), रिया कुमारी (17), दीपक कुमार (19), राहुल कुमार (25), राजेश कुमार (24), ललिता कुमारी (29), हर्षील कुमार (5), ब्रह्मदेव प्रसाद यादव (62), एसआई अरविंद सिंह (58) समेत कई अन्य शामिल हैं।सभी लोग सड़गामा एवं इसके आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस में लगभग 25 से अधिक यात्री सवार थे। घायल यात्रियों ने बताया कि तेज रफ्तार और सुबह कुहासे के कारण चालक ने अचानक मोड़ पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस पलट गई।

बीसीसीएल के वाहन उड़ा रहे नियमों की धज्जियां, अब सख्त एक्शन की तैयारी में परिवहन विभाग

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल में कोयला परिवहन के लिए चल रहे भारी वाहनों पर जिला परिवहन विभाग ने सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इसी माह बीसीसीएल प्रबंधन को नोटिस जारी किया जाएगा।

जिला परिवहन विभाग की ऑवलाइन पोर्टल पर किए गए विश्लेषण में यह सामने आया है कि बड़ी संख्या में वाहनों के कागजात अपडेट नहीं हैं। इनमें टैक्स, रजिस्ट्रेशन और फिटनेस से संबंधित आवश्यक दस्तावेज शामिल हैं।

इसके अलावा, पुराने वाहनों का रिकार्ड भी उपलब्ध नहीं है, जिससे कई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। विभाग ने बीसीसीएल से सभी वाहनों की पूरी सूची उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। इस संबंध में जिला खनन विभाग से भी सहयोग लिया जा रहा है। खनन चालान और अन्य परमिट इसी विभाग से जारी होते हैं, जिससे वाहनों का सही आकलन किया जा सके।

जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सीपी द्विवेदी ने अनुसार भारत कोकिंग कोल लिमिटेड को कई वाहनों के कागजात फेल और कर भुगतान नहीं होने के कारण नोटिस जारी किया जाएगा। यदि गंभीरता नहीं बरती गई, तो सभी वाहनों को चिह्नित कर जब्त किया जाएगा। सरकारी नियमों के अनुसार सभी वाहनों के कागजात होना अनिवार्य है। इसके साथ ही माइंस एरिया में चलने वाले वाहनों को आम सड़कों पर भी देखा जा रहा है, जिस पर विभाग की नजर है। इस संदर्भ में टीम को सक्रिय किया गया है ताकि ऐसे वाहनों को तुरंत पकड़ा जा सके।

राजस्व की हो रही हानि : सरकारी राजस्व की हानि भी इस मामले में गंभीर है। समय पर टैक्स जमा नहीं होने से सरकार को भारी नुकसान हो रहा है। राज्य सरकार ने विभाग को इस स्थिति से निपटने के लिए कड़ाई से निर्देशित किया है।

रांची से सकुशल मिलीं सबसे कम उम्र की मुखिया सपना कुमारी

बोकारो/रांची, एजेंसी। झारखंड की सबसे कम उम्र की मुखिया सपना कुमारी को बोकारो पुलिस ने रांची पुलिस की मदद से सकुशल बरामद कर लिया है। सपना दो दिनों से लापता थीं, जिसके बाद से परिवार और पंचायत के लोग बेहद चिंतित थे। फिलहाल पुलिस सपना से पूछताछ कर रही है और पूरे मामले का खुलासा जल्द करने की संभावना है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मुखिया सपना कुमारी 2 अक्तूबर को अपने गोमिया प्रखंड के पलिहारी गुरुडीह पंचायत से रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थीं। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। अंततः मुखिया के पति ने गोमिया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

लोकेशन ट्रेस किया : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और तकनीकी सेल की मदद से लोकेशन ट्रेस किया। जांच के दौरान मुखिया का अंतिम लोकेशन रांची में पाया गया। इसके बाद बोकारो पुलिस की टीम ने रांची पुलिस के सहयोग से छापेमारी की और सपना कुमारी को सुरक्षित बरामद कर लिया।

अचानक संपर्क टूट गया : पुलिस सूत्रों के अनुसार, मुखिया को गांधी जयंती के दिन एक कार्यक्रम में आखिरी बार देखा गया था। इसके बाद अचानक संपर्क टूट गया। अब उनके सकुशल मिलने की खबर से परिवार और पंचायत के लोगों ने राहत की सांस ली है।

सपना कुमारी झारखंड की सबसे कम उम्र की मुखिया हैं और अपनी खूबसूरती और सोशल मीडिया एक्टिविटी के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। वे रील्स बनाने की शौकीन हैं और इंस्टाग्राम पर काफी लोकप्रिय हैं। उनके अचानक गायब होने से प्रशासन से लेकर आम लोगों तक में हड़कंप मच गया था।

बोकारो पुलिस ने बताया कि मुखिया के मिलने के बाद अब पूरे मामले की विस्तृत जानकारी प्रेस वार्ता में साझा की जाएगी। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि सपना के लापता होने के पीछे की वजह क्या थी। पंचायत के लोग उम्मीद जता रहे हैं कि सपना जल्द ही अपने कामकाज में वापस लौटेंगी।

मैथन में बदल दी नये इंटेकवेल की जगह, डीवीसी ने अब तक नहीं मिला एनओसी

धनबाद, एजेंसी। छह साल बीत चुके हैं, पर धनबाद जलापूर्ति योजना फेज-2 का काम अब भी मात्र 70 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। योजना के तहत मैथन में 77 एमएलडी का इंटेकवेल बनना है। पूर्व में जहां इंटेकवेल बना था, नये के लिए उसकी बगल में जगह चिह्नित की गयी थी। उसकी डिजाइन व मिट्टी जांच हो चुकी थी। अचानक उसका लोकेशन बदल दिया गया। नये लोकेशन के लिए डीवीसी से अब तक एनओसी नहीं मिला है। सूत्रों के अनुसार, छह महीने से एनओसी का मामला डीवीसी के लेवल पर अटका है।

डीएमएफटी फंड बन रही धनबाद शहरी जलापूर्ति योजना फेज-2 की जो हालत है, उससे यही लग रहा है कि अगले दो साल में भी यह पूरी नहीं होगी। योजना की लागत 441 करोड़ रुपये है। काम एलएंडटी कंपनी कर रही है। योजना की शुरुआत 2019 में हुई थी। 76 हजार घरों में पानी कनेक्शन देने का लक्ष्य है। पांच साल बीत गये, अब तक मात्र तीन हजार घरों को कनेक्शन दिया जा सका है। अगर यह योजना पूरी तरह धरातल पर उतरती है, तो शहरी क्षेत्र में 10 एमएलडी अतिरिक्त पानी मिलेगा। एलएंडटी कंपनी को दो बार वर्ष 2023 व 2024 में एक्सटेंशन मिला है। इधर, उपायुक्त आदित्य रंजन ने इसी वर्ष काम पूरा करने की डेडलाइन तय की है। योजना के तहत वार्ड 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 52, 53, 54 में डिस्ट्रीब्यूशन पाइप लाइन बिछाई जानी है और 76 हजार घरों को कनेक्शन देना है। डिस्ट्रीब्यूशन पाइप लाइन का काम लगभग पूरा हो गया है। इन 22 वार्डों में 530 किमी पाइप बिछानी है। 517 किमी तक पाइप बिछ चुकी है। 13 किमी बची पाइप बिछाने का काम चल रहा है।

भूईंफोड़ पहाड़ पर संप हाउस बन रहा है। अब तक 70 प्रतिशत काम हुआ है। यहीं से शहर में जलापूर्ति करायी जायेगी। इससे पानी का प्रेशर रहेगा। कोक फैक्ट्री मुगमा व खरिकाबाद में पक्का का स्ट्रक्चर है। अतिक्रमण के कारण यहां राइजिंग पाइप नहीं बिछ पा रही है। मैथन से भेलाटांड़ तक 45 किमी तक राइजिंग पाइप बिछानी है। अब तक 28 किमी तक बिछी है। भूईंफोड़ से वासेपुर तक 12 किमी तक पाइपलाइन का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। एमपीएल के पास रेलवे क्रॉसिंग है। यहां पाइप बिछाने के लिए एनओसी नहीं मिल रहा है। गया पुल की क्रॉसिंग का भी एनओसी नहीं मिला है।

डीवीसी से एनओसी नहीं मिलने के कारण काम लटका: नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने बताया किअब तक फेज-2 का 60 से 70 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। डीवीसी से एनओसी नहीं मिलने के कारण इंटेकवेल का काम लटका है। हालांकि एनओसी अब फाइनल स्टेज में है। भेलाटांड़ में 10 एमएलडी का वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बन रहा है। मैथन से रॉ वाटर भेलाटांड़ आयेगा। यहां ट्रीटमेंट कर भूईंफोड़ पहाड़ पर डीएसआर बना है, वहां पहुंचाया जायेगा। वहां से पानी छोड़ा जायेगा। वर्तमान जलापूर्ति पाइप लाइन का प्रेशर बढ़ेगा और लोगों को पर्याप्त पानी मिलेगा। एनएचआइ व एनएच के पास भी कुछ जगहों के लिए एनओसी का मामला लटका है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, मातम

दुमका, एजेंसी। जामा थाना के वैसा चौक के पास शनिवार की देर शाम दुर्गा पूजा पर लगा मेला देखकर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों ने बिहार के ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल जामा के पलासी गांव के 17 वर्षीय विकास कुमार मंडल और महुआडंगाल पलासी गांव के 24 साल के अजीत कुमार मंडल को इलाज के लिए रात को ही मेडिकल कालेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शवों को स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया।

दुर्गा पूजा पर जामा के बारापलासी गांव में मेला लगा था। दोनों युवक शाम को मेला देखने के लिए घर से निकले थे। मेला देखने के बाद दोनों ने जमकर शराब का सेवन किया और नशे की हालत में ही घर के लिए निकले। वैसा चौक के पास सामने से आते ट्रक ने बाइक में ठोकर मार दी, जिसमें दोनों बुरी तरह से घायल हो गया। ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि ट्रक का चालक वाहन छोड़कर भाग गया। बिहार के ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

लखीकुंडी गांव के पास तीन अक्टूबर को सड़क हादसे में घायल 23 साल के बुधिलाला हेंब्रम ने शनिवार की रात मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रविवार को मौत की जानकारी मिलने पर नगर थाना की पुलिस ने शव कब्जे ले लिया। पुलिस के लाख समझाने के बाद घरवाले पोस्टमार्टम के लिए तैयार नहीं हुए और शव लेकर चले गए।

गोमिया के होटलों में देह व्यापार की गुप्त सूचना पर छापा, होटल मालिकों को दी सख्त चेतावनी

स्वांग, एजेंसी। गोमिया में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर तीन होटल पर छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार, इन होटल में देह व्यापार के संचालन की सूचना पुलिस को लगातार मिल रही थी।

इस पर सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में गोमिया थाना प्रभारी रवि कुमार और आईईएल थाना प्रभारी प्रफुल महतो समेत महिला पुलिस के साथ होटल में पहुंचे और निरीक्षण किया।

हालांकि, इस दौरान एक भी संदिग्ध नहीं पकड़ा गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटल मालिकों से इस संबंध में पूछताछ की और उन्हें चेतावनी दी कि यदि भविष्य में भी इस प्रकार की अनैतिक गतिविधियां पाई गईं तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी में फिलहाल कोई अवैध गतिविधि सामने नहीं आई, लेकिन पुलिस ने होटल मालिकों को साफ-साफ हिदायत दी कि वह अपने प्रतिष्ठान में किसी भी तरह की अनुचित गतिविधियों की अनुमति न दें।

इससे पहले भी गोमिया के कई होटल में इस तरह की गुप्त सूचना मिलने पर छापेमारी की जा चुकी है। पिछले मामलों में बोकारो के तत्कालीन डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा भी गोमिया के एक होटल में कार्रवाई के लिए पहुंचे थे।

सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार का कहना है कि आए दिन उन्हें ऐसी सूचनाएं मिलती रहती हैं कि गोमिया के होटल में लड़का-लड़की कम समय के लिए कमरे लेने जाते हैं। मिली सूचना के अनुसार छापामारी की गई। होटल मालिकों को भी हिदायत दी गई।

गोमिया पुलिस लगातार इस पर नजर बनाए हुए है और होटल मालिकों को चेतावनी देते हुए कह रही है कि यदि इस प्रकार की गतिविधियां जारी रहीं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरतेगी और समाज में अनैतिक कार्यों को रोकने के लिए सतत प्रयास जारी रहेगा।

निलंबित पुलिसकर्मी की आत्महत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई, चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

चंदवारा (कोडरमा), एजेंसी। कोडरमा जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन के निलंबित पुलिस चालक मंसूर आलम की आत्महत्या मामले ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है।

इस घटना में जिले के जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, सपही पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी और एएसआई अरविंद हांसदा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में चंदवारा थाना में रविवार को कांड संख्या 76/25 दर्ज की गई है।

मंसूर पिछले तीन माह से निलंबित था। आरोप है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही और शराब सेवन के कारण उसे सस्पेंड किया गया था। आत्महत्या से पूर्व उसने एक वीडियो जारी कर आरोपित पुलिस अधिकारियों पर झूठा फंसाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था।

वीडियो वायरल होते ही पुलिस मेन्स एसोसिएशन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घटना को साजिश करार देते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

इधर, मृतक की पत्नी ने भी निलंबन के बाद वेतन रोके जाने से उत्पन्न आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताया था। उन्होंने भी रांची के बरियातू थाने में दिए बयान में संबंधित अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था।

कोई मामले पर एसपी अनुदीप सिंह ने कहा था कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

ज्ञात हो कि मंसूर आलम ने गत मंगलवार (30 सितंबर) को सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया था। इलाज के दौरान बुधवार (1अक्टूबर)को रिम्स, रांची में उसकी मौत हो गई थी।

किसी अजूबे से कम नहीं है होर्मुज आइलैंड

इस धरती पर ऐसी कई जगहें हैं, जिनसे आज भी दुनिया के अधिकतर लोग अनजान हैं. ऐसे में इन जगहों को रहस्यमय ही माना जाता है. पहाड़ों के बारे में तो आप जानते ही होंगे कि वो कितने कठोर होते हैं, उन्हें तोड़ना मुश्किल ही नहीं, कभी-कभी नामुमकिन भी हो जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां लोग पहाड़ को भी खा जाते हैं. जी हां, यह हैरान होने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है. असल में यह जगह एक आइलैंड है, जो जम्बुद्वीप (एशिया) के दक्षिण-पश्चिम खंड में स्थित देश ईरान के तट से 8 किलोमीटर दूर फारस की खाड़ी के नीले पानी के बीच में है. आइए जानते हैं इस इस आइलैंड की कुछ रहस्यमय बातें, जो आपको सच में हैरान कर देंगी. इस आइलैंड का नाम है होर्मुज द्वीप, जिसे रेनबो द्वीप के नाम से भी जाना जाता है. इसके बारे में कहा जाता है कि इस आइलैंड की खूबसूरती से दुनिया आज भी अनजान है. इस आइलैंड को 'भूवैज्ञानिकों का डिज्नीलैंड' भी कहा जाता है, क्योंकि यहां की सुनहरी नहरें, रंग-बिरंगे पहाड़ और खूबसूरत दिखने वाली नमक की खदानें मन को मोह लेती हैं.

कहते हैं कि महज 42 वर्ग किलोमीटर में फैला यह आइलैंड आसमान से एकदम रंगीन दिखता है. पत्थर, मिट्टी और लोहे से भरपूर यहां ज्वालामुखी की चट्टानें जब लाल, पीले और कई रंगों में चमकती हैं तो ऐसा लगता है जैसे यह धरती नहीं, बल्कि किसी दूसरी दुनिया का नजारा हो. यहां की पत्थर और चट्टानें जब धूप के संपर्क में आते हैं तो चमकने लगते हैं. इस आइलैंड पर 70 से भी अधिक तरह के खनिज पाए जाते हैं. कहा जाता है कि इस आइलैंड का निर्माण हजारों साल पहले हुआ था और इसे खूबसूरत बनाने में ज्वालामुखीय चट्टानें, खनिज और नमक के टीलों का अहम योगदान है. इस आइलैंड की जो सबसे रोचक बात है, वो ये कि यहां का पहाड़ दुनिया का एकमात्र ऐसा पहाड़ है, जिसे खाया भी जा सकता है, क्योंकि ये पहाड़ नमक की मोटी परतों से बने होते हैं. तरह-तरह के खनिजों की वजह से इस द्वीप की मिट्टी भी मसालेदार होती है, जिसका इस्तेमाल खाने में मसाले के तौर पर किया जाता है. यहां की लाल मिट्टी का इस्तेमाल लोग चटनी के तौर पर करते हैं. इसके अलावा स्थानीय कलाकार यहां की लाल मिट्टी को पेंटिंग में भी इस्तेमाल करते हैं. लोग अपने कपड़ों को रंगने के लिए इसका उपयोग करते हैं, यानी कुल मिलाकर यहां की मिट्टी 'सर्वगुणसंपन्न' है.

ये हैं दुनिया की सबसे खतरनाक झीलें

दुनियाभर आपको ऐसे स्थान मिल जाएंगे जो या तो बेहद खूबसूरत हैं या बेहत खतरनाक .आज हम आपको ऐसी झीलों के बताने जा रहे हैं जो दुनिया की सबसे खतरनाक झील मानी जाती हैं.

अक्सर लोगों को झीलें बेहद पसंद होती हैं. झीलों को अपनी आंखों से दीदार करने का सपना आखिर किस व्यक्ति का नहीं होता. यूं तो दुनिया में एक से बढ़कर एक खूबसूरत झीलें हैं. लेकिन आज हम आपको कुछ झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाना खतरे से खाली नहीं होता. अक्सर लोगों को झीलें बेहद पसंद होती हैं. झीलों को अपनी आंखों से दीदार करने का सपना आखिर किस व्यक्ति का नहीं होता. यूं तो दुनिया में एक से बढ़कर एक खूबसूरत झीलें हैं. लेकिन आज हम आपको कुछ झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाना खतरे से खाली नहीं होता.

कराचे झील

यह झील दक्षिण रूस के पहाड़ों के बीच स्थित है. यह दुनिया की सबसे खतरनाक और गहरी झीलों में से एक है. यह झील इतनी खतरनाक है कि अगर कोई व्यक्ति इसके पास 5 मिनट भी खड़ा हो जाए तो उसकी जान जा सकती है क्योंकि रशिया सरकार ने इस झील का इस्तेमाल रेडियोएक्टिव कचरा फेंकने के लिए किया था. इसी वजह से यह झील इतनी खतरनाक हो गई है.

लेक मिशिगन ↓

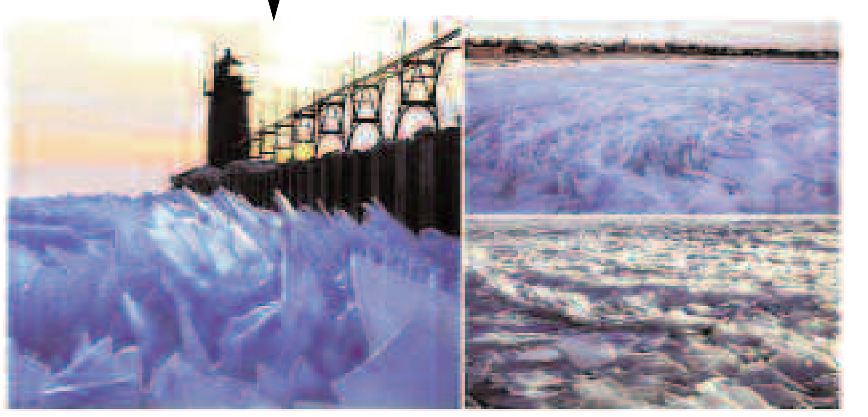

यह झील दिखने में जितनी ज्यादा खूबसूरत लगती है उससे कही ज्यादा खतरनाक है. लोगों द्वारा ऐसा कहा जाता है कि इस झील के पास जानलेवा गैस का बादल छा गया और झील के आसपास मौजूद सभी जीवों की मौत हो गई. वैज्ञानिकों के अनुसार झील के नीचे ज्वालामुखी के कारण कार्बनडाई ऑक्साइड गैस पानी में मिल गया और इसका स्तर बढ़कर बादल का रूप ले लिए और चारों तरफ छा गया.

बॉयलिंग लेक

जैसा कि नाम से ही जाहिर है कि इस झील का पानी हर समय उबलता रहता है. यह झील डोमिनिका, कैरिबियन आइलैंड पर है. झील के पास में ज्वालामुखी का क्रेटर होने के कारण यह झील हमेशा गर्म रहती है.

↑ मोनो लेक

ये झील कैलिफोर्निया की सबसे प्राचीन झील मानी जाती है. ऐसा कहा जाता है कि झील लगभग 760,000 साल पुरानी है. इस झील में अधिक मात्रा में कार्बोनेट, क्लोराइड और सल्फेट इकट्ठा हो गया, जिस कारण इस झील का पानी इंसानों के लिए जहरीला बन गया.

क्या वाकई अमर होते हैं जेलीफिश कैसे खत्म होते हैं ये? क्या कहता है विज्ञान

जेलीफिश को जैविक तौर पर अमर माना जाता है. वैज्ञानिक कहते हैं कि वे बूढ़ी नहीं होती है यानी उनकी उम्र बढ़ कर मरने की संभावना नहीं होती हैं. पर क्या ये वाकई अमर हैं क्या कभी खत्म हो ही नहीं सकती हैं. अध्ययन में पाया गया है कि वे उस तरह से अमर नहीं होती हैं जिस तरह से लोग सोचते हैं.

दुनिया में कई जानवरों की खूबियों ने वैज्ञानिकों को हैरान किया हुआ है. इनमें ,खूबसूरत सी दिखाई देने वाली जेलीफिश भी हैं. आम लोगों को इनका आकार और जैली जैसा दिखने वाला शरीर आकर्षित करता है.दिलचस्प बात ये है कि इनकी प्रजातियों में इतनी विविधता है कि हर जेलीफिश अलगतरह की दिखती है और सभी अपनी अलग खूससूरती लिए होती हैं. पर वैज्ञानिकों को ध्यान इनकी दूसरी खूबियों पर होता है. इनमें सबसे अधिक इनकी जैविक अमरता वाला गुण है. पर आखिर इसका मतलब क्या है? क्या वाकई वे अमर होते हैं? ये दुनिया में खत्म कैसे हो सकता है या होते हैं?

क्या है जेलीफिश?

आकार में जेलीफिश का बड़ा हिस्सा एक छाते या मशरूम के सिरे की तरह होता है और उस छाते के कोने से बहुत सारे तंतु निकले होते हैं. इसकी ना तो हड्डी होती है और ना ही इसका दिमाग, दिल या आंखे होती हैं. फिर भी हैरानी की बात ये है कि इन्हें फिश कहा जाता है. लेकिन अब एक्सपर्ट इन्हें फिश कहने से बचते हैं और इन्हें सी जेली कहा जाता है.

अमर कैसे है जेलीफिश?

जेलीफिश की सबसे बड़ी खासियत यही है कि ये पैदा होने के बाद, बढ़कर यौवन काल तो पहुंचती हैं. लेकिन जब इनकी उम्र अधिक होने लगती है, तो ये अपना यौवनकाल वापस हासिल कर लेती हैं और कभी भी बूढ़ी होकर नहीं मरती हैं. इसीलिए वैज्ञानिक इन्हें जैविक तौर पर अमर कहते हैं.

क्या है उनकी अजरता?

असल बात ये है कि जेलीफिश कभी अमर नहीं होती हैं, बल्कि वे कभी बूढ़ी नहीं होती हैं. ऐसे में वे अजर होती हैं और ऐसे में ये किसी और वजह से मर सकती हैं. वैज्ञानिकों के लिए जेलीफिश एंटीएजिंग के लिहाज से बहुत अहम है. वैज्ञानिक यही गुण इंसानों में लाना चाहते हैं जिससे इंसानों के बुढ़ापे संबंधित सारी समस्याओं को खत्म किया जा सके.

तो क्या कभी नहीं मर सकती हैं जेलीफिश?

ऐसा नहीं है, वे मर सकती हैं. जेलीफिश के मरने के कई कारण हो सकते हैं और होते भी हैं. वे बीमार हो कर मर सकती हैं. शिकारी जीव उन्हें मार सकते हैं. पर्यावरण के खतरों से वे मर सकती हैं, यानी वे अगर ऐसे हालात में पहुंच जाएं जहां वे जिंदा ना रह सकें.

जेलीफिश का दंश

ऐसा नहीं है कि जेलीफिश में बूढ़ा ना होने की काबिलियत है तो कुदरत ने उन्हें जिंदा रहने के लिए और सुरक्षा या अन्य काबिलियत नहीं दी है. वे शिकार जीवों से भी खुद को बचा सकते हैं. इसके लिए उनके तंतुओं में जहर की सुविधा है. हालाकि, बहुत सी जेलीफिश का जहर नुकसान नहीं पहुंचाता है, कुछ का यह जहर जानलेवा तक हो जाता है. इलाज ना होने पर ऐसी जेलीफिश का दंश जानलेवा हो सकता है.

लगभग पानी से बनी होती हैं ये

जेलीफिश के बारे में लोग यह नहीं जानते हैं कि उनके शरीर का 95 फीसदी हिस्सा पानी होता है. उनमें सांस लेने का तंत्र भी नहीं होते हैं, लेकिन दिमाग ना होने पर भी उनमें एक खास नर्वस सिस्टम होता है जिससे खतरे और शिकार का अहसास कर पाती हैं. वे अंधेरे में भी चमकती हैं और इसी लिए वे लोगों के लिए खास आकार्षण का केंद्र बन जाती है. उन्हें भोजन के तौर पर भी खूब इस्तेमाल किया जाता है.

हैरानी की बात ये है कि करीब करीब अमर होने के बाद भी इनमें खूब प्रजनन होता है. ये खुद की ही कॉपी पैदा करती हैं और ऐसा वे बहुत तेजी से भी करती हैं. लेकिन इनमें लैंगिंक प्रजनन भी कम नहीं होता है. नर और मादा दोनों ही पानी में स्पर्म और अंडे छोड़ते हैं जो वहीं निषेचित होकर परिपक्व होते हैं.

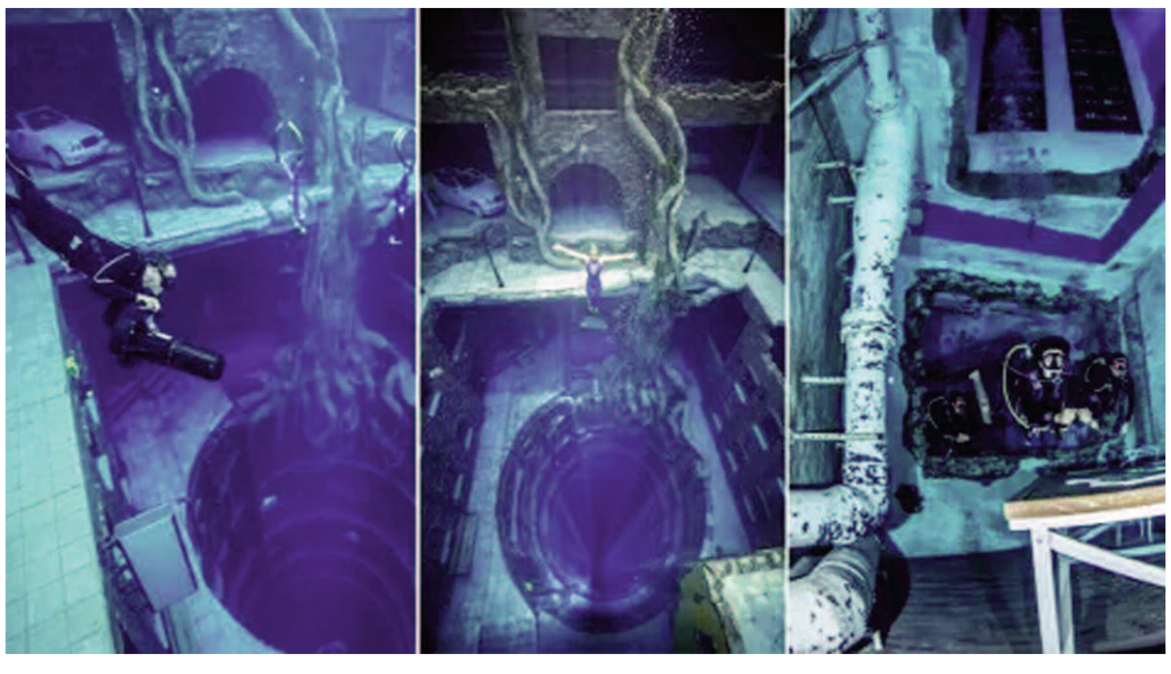

दुबई के नाद अल शेबा में स्थित दुनिया का सबसे गहरा स्विमिंग पूल आम जनता के लिए खोल दिया गया है। इसकी गहराई 60.02 मीटर है और इसमें पानी की मात्रा 14 मिलियन लीटर है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसे दुनिया के सबसे गहरे पूल के रूप में सत्यापित किया है। मजे की बात ये है कि इस स्विमिंग पूल का आकार छह ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल के बराबर है। पूल का आकार यूएई की पर्ल डाइविंग विरासत के अनुरूप एक विशाल सीप के आकार का है। इस पूल का आकार 1,500 वर्गमीटर है।

दुबई में है दुनिया का सबसे गहरा स्विमिंग पूल

पूल की खास बात ये है कि इसमें एक गोताखोरी की दुकान भी है, एक गिफ्ट शॉप भी है। इसके अंदर एक रेस्त्ररां भी है जो इस साल के अंत तक जनता के लिए खुला रहेगा। पूल के अंदर दो आवास भी है। इसके अलावा 6 और 21 मीटर पर दो सूखे कमरे भी हैं, जहां बिल्कुल भी पानी नहीं है। पूल के अंदर लगे कैमरे पूल के चारों और की साज सज्जा को कवर करते हैं। पूल के अंदर का नजारा देखते ही बनता है।   इस पूल को दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मंजूरी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर दुनिया भर के लोगों से इसका तुल्फ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, डीप डाइव दुबई में एक पूरी दुनिया आपका इंतजार कर रही है।

हर 6 घंटे में फिल्टर किया जाता है पूल का पानी

इस पूल में भरे पानी को नासा द्वारा विकसित की गई सिलिसियस

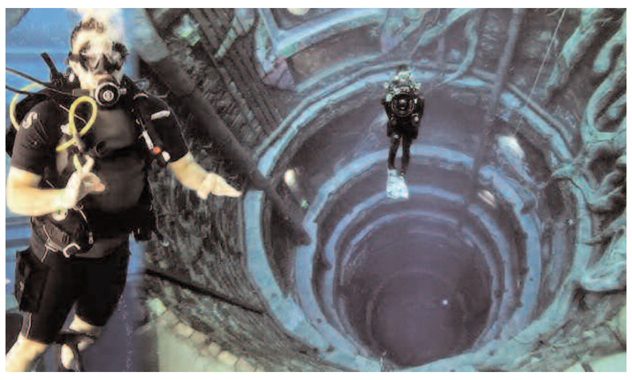

ज्वालामुखी चट्टान तकनीक से से हर 6 घंटे में फिल्टर किया जाता है। इसके अलावा पूल के पानी को तेजी से साफ करने के लिये यूवी किरणों का सहारा लिया जाता है। लोगों की सहूलियत के लिए पूल के पानी का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं होने दिया जाता है। अगर आप भी डीप डाइव दुबई में गोता लगाना चाहते हैं तो इसकी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करा सकते हैं।

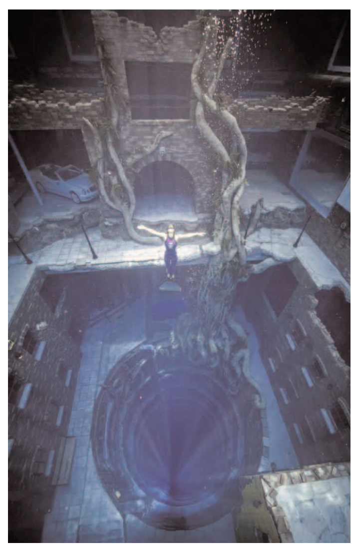

जुलाई-सितंबर तिमाही में ऑफिस लीजिंग में 2.5 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 9 प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में ग्रॉस ऑफिस स्पेस लीजिंग में गिरावट दर्ज की गई है। सीबीआरई के अनुसार यह 2.5 प्रतिशत घटकर 1.99 करोड़ वर्ग फुट पर आ गई। पिछली साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 2.04 करोड़ वर्ग फुट था। गिरावट की मुख्य वजह दक्षिण भारत में ऑफिस स्पेस की मांग में सुस्ती बताई गई है। रियल एस्टेट परामर्शदाता सीबीआरई ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया कि जुलाई-सितंबर की अवधि में बंगलूरू में कार्यालय स्थलों का सकल पट्टा घटकर 4.3 मिलियन वर्ग फुट रह गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि

में 7.2 मिलियन वर्ग फुट था। हैदराबाद में पट्टे पर देने की गतिविधियां 2.6 मिलियन वर्ग फीट से घटकर 2.2 मिलियन वर्ग फीट रह गईं। चेन्नई में भी सकल कार्यालय पट्टे में 2.4 मिलियन वर्ग फीट से गिरावट आई और यह 1.5 मिलियन वर्ग फीट रह गया। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में कार्यालय की मांग 2.4 मिलियन वर्ग फुट से बढ़कर 3.8 मिलियन वर्ग फुट हो गई। मुंबई में कार्यालय स्थान का सकल पट्टा 2.9 मिलियन वर्ग फुट से बढ़कर 4 मिलियन वर्ग फुट हो गया, जबकि पुणे में मांग 1.9 मिलियन वर्ग फुट से बढ़कर 3.2 मिलियन वर्ग फुट हो गई। कोलकाता में कार्यालय पट्टे 0.6 मिलियन वर्ग फीट पर स्थिर रहे। अहमदाबाद में मांग 0.3 मिलियन वर्ग फीट से घटकर 0.1 मिलियन वर्ग फीट रह गई। हालांकि, कोच्चि में तिमाही के दौरान कार्यालय पट्टे का आकार 0.2 मिलियन वर्ग फुट रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 0.07 मिलियन वर्ग फुट था।

अडानी-अंबानी ने पाया खोया हुआ रुतबा, अमेरिकियों पर हुई डॉलर की बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपतियों की लिस्ट में एक बार फिर भारी उथल-पुथल हुई है। अंबानी, अडानी ने जहां अपना खोया रुतबा हासिल किया है वहीं, एलन मस्क, लैरी एलिसन, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस, लैरी पेज, सर्गी ब्रिन पर डॉलर की बारिश हुई है। बीते हफ्ते शुक्रवार को एलन मस्क से लेकर जेनसेन हुआंग तक दिग्गज अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन सोमवार को हुआंग को छोड़ इन अरबपतियों पर डॉलर की बारिश हुई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजा लिस्ट के मुताबिक एलन मस्क की संपत्ति सोमवार को 16.7 अरब डॉलर की बारिश हुई और अब उनका नेटवर्थ 465 अरब डॉलर हो गया है। लैरी एलिसन ने 6.69 अरब डॉलर कमाया और उनका नेटवर्थ 351 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। मार्क जुकरबर्ग 252 अरब डॉलर के नेटवर्थ पर हैं और इनकी संपत्ति में 1.77 अरब डॉलर की बढ़त दर्ज की गई है। जेफ बेजोस को 1.28 अरब डॉलर का फायदा हुआ है। अब इनके पास 244 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। लैरी पेज 4 अरब डॉलर बनाए हैं और उनकी कुल संपत्ति अब 220 अरब डॉलर हो गई है। जबकि, सर्गी ब्रिन के नेटवर्थ में 3.71 डॉलर का इजाफा हुआ है। इनका नेटवर्थ अब 205 अरब डॉलर है। बर्नार्ड अर्नाल्ट को 4 अरब डॉलर का झटका लगा है। उनकी संपत्ति अब 177 अरब डॉलर रह गई है। जेनसेन हुआंग, जो दुनिया के 9वें अमीर व्यक्ति हैं।

रागिनी दास को गूगल में सौंपी है स्टार्टअप्स की जिम्मेदारी

रागिनी ने खुद लिंक्डइन पर यह न्यूज शेयर की

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने रागिनी दास को भारत में स्टार्टअप्स का हेड बनाया है। महिलाओं के लिए प्रोफेशनल नेटवर्क लीव.क्लब की स्थापना करने वाली रागिनी दास ने खुद लिंक्डइन पर यह न्यूज शेयर की है। उनका कहना है कि यह उनके करियर में फुल-सर्किल माइलस्टोन है। उन्होंने 2013 में जब अपना करियर शुरू किया था तो गूगल और जोमैटो में इंटरव्यू दिया था। लेकिन तब गूगल ने उन्हें हायर नहीं किया था और वह जोमैटो से जुड़ी थीं। रागिनी दास ने लिखा, जहां से चले थे वहीं पहुंच गए। मैं यह बात शेयर करते हुए उत्साहित हूं कि मैंने हेड ऑफ गूगल फॉर स्टार्टअप्स, इंडिया के रूप में जॉइन कर लिया है। रागिनी दास ने जोमैटो में छह साल विभिन्न पदों पर काम किया। इनमें अंतरराष्ट्रीय विस्तार में सेल्स एंड ग्रोथ शामिल है। उन्होंने कहा, जोमैटो ने मुझे करियर में अपने गोल की पहचान करने में मदद की और मुझे अच्छे दोस्त दिए। मुझे वहां काफी कुछ सीखने को मिला जिससे आखिरकार मैं लीव.क्लब की स्थापना कर सकी। साल 2020 में लीव.क्लब लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें पहचान मिली और इनसे हजारों महिलाओं की जिंदगी में बदलाव हुआ। लेकिन इस साल इस प्लेटफॉर्म में अपना ऑपरेशन रोक दिया जिससे रागिनी दास को अपनी निजी जिंदगी और प्रोजेक्ट्स पर काम करने का समय मिल गया।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ करेगा धमाका!

● आईपीओ 11,607 करोड़ रुपये का है

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ कोरिया की बड़ी कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का आईपीओ निवेशकों के लिए खुल रहा है। यह आईपीओ 11,607 करोड़ रुपये का है और इसे विश्लेषकों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम भी धमाल मचा रहा है। यह आईपीओ 9 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इसकी लिस्टिंग 14 अक्टूबर को हो सकती है। यह पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जिसका मतलब है कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक (कोरियाई पेरेंट कंपनी) 10.18 करोड़ शेयर बेच रही है।

इस आईपीओ के लिए शेयर की कीमत 1,080 रुपये से 1,140 रुपये प्रति शेयर रखी गई है। निवेशक कम से कम 13 शेयर खरीद सकते हैं, जिसकी ऊपरी प्राइस बैंड पर कीमत 14,820 रुपये होगी। रिटेल निवेशक 2 लाख रुपये तक के शेयर खरीद सकते हैं, जबकि बड़े निवेशक इस समय कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (घर में इस्तेमाल होने वाले सामान) की मांग में अच्छी रिकवरी देखी जा रही है। कंपनी की अच्छी वैल्यूएशन और बाजार में मजबूत पकड़ के कारण कई ब्रोकरेज फर्मों ने इसे सब्सक्राइब करने की सलाह दी है। और संस्थागत निवेशकों के लिए ज्यादा आवंटन सीमा है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ को ग्रे मार्केट में जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सोमवार को इसका जीएमपी 27.89त्न था। यह दिखाता है कि शुरुआती मांग काफी मजबूत है। इस जीएमपी पर शेयर का भाव 318 रुपये बढ़कर 1458 रुपये हो गया है। अगर जीएमपी यही रहता है तो यह शेयर लिस्टिंग पर निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा दे सकता है।

एसबीआई सिक्योरिटीज ने कहा है कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया भारत की सबसे बड़ी होम अप्लायंस और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों में से एक है। यह कई प्रोडक्ट कैटेगरी में मार्केट लीडर है। 1,140 रुपये के ऊपरी प्राइस बैंड पर, कंपनी का क्क्श मल्टीपल 35.1× है, जो साथियों की तुलना में आकर्षक लगता है। हम निवेशकों को इस इश्यू को सब्सक्राइब करने की सलाह देते हैं। सेंट्रम ब्रोकिंग ने भी इसी तरह का विचार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह आईपीओ उचित वैल्यूएशन पर पेश किया गया है, जबकि इसके साथी बहुत अधिक मल्टीपल पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी की लीडरशिप पोजीशन, मजबूत ब्रांड, ग्लोबल पेरेंट सपोर्ट, विस्तृत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और मैन्युफैक्चरिंग स्ट्रेंथ को देखते हुए सेंट्रम ब्रोकिंग ने इस आईपीओ को सब्सक्राइब रेटिंग दी है। टाटा ग्रुप की प्रमुख कंपनी टाटा कैपिटल का आईपीओ भी खुला हुआ है।

डॉलर और कच्चे तेल की बढ़त से रुपया दबाव में

88.82 पर रिकॉर्ड निचले स्तर पर हुआ बंद

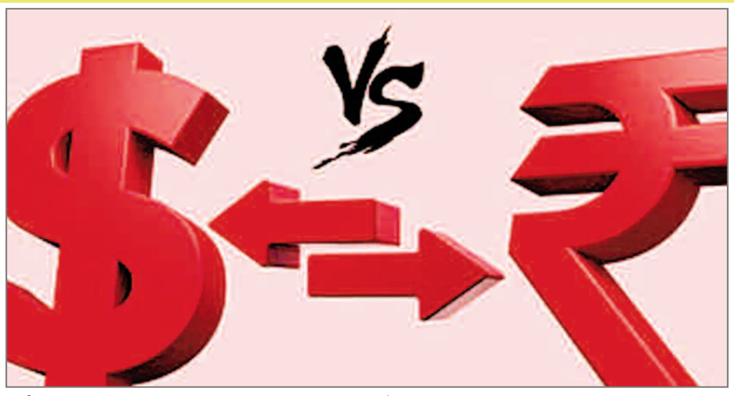

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी बाजार में डॉलर के मजबूत होने और कच्चे तेल की कीमतों में रातोंरात उछाल से घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा। सोमवार को रुपया सीमित दायरे में मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट के साथ 88.82 (अनंतिम) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। व्यापारियों के अनुसार सीमित दायरे में कारोबार हुआ और यह 3 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुई, क्योंकि सकारात्मक घरेलू इक्विटी से मिले समर्थन को निरंतर पूंजी बहिर्वाह और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से संतुलित किया गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 88.75 पर खुला और कारोबार के अंत में 88.82 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 3 पैसे कम है।

घरेलू बाजारों में मजबूती से डॉलर पर पड़ेगा असर

मिराए एसेट शेयरखान के मुद्रा एवं कमोडिटीज के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि घरेलू बाजारों में मजबूती और डॉलर में समग्र कमजोरी के कारण रुपया सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी भी रुपये के लिए फायदेमंद हो सकती है। हालांकि, डॉलर के लिए आयातक मांग तेज बढ़त को रोक सकती है। डॉलर/रुपये की हाजिर कीमत 88.50 से 89 के बीच रहने की उम्मीद है। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.43 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.61 प्रतिशत बढ़कर 65.58 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

भारत और अमेरिका का व्यापार समझौता

इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच किसी भी व्यापार समझौते में नई दिल्ली की लाल रेखाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और समझ तक पहुंचने के प्रयास चल रहे हैं। एक कार्यक्रम में संवाद सत्र में जयशंकर ने स्वीकार किया कि भारत और अमेरिका के बीच कुछ मुद्दे हैं और उनमें से कई प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में असमर्थता से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ चीजें ऐसी हैं जिन पर आप बातचीत कर सकते हैं और कुछ ऐसी भी हैं जिन पर आप बातचीत नहीं कर सकते।

भारतीय बाजार का हाल

घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 582.95 अंक उछलकर 81,790.12 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 183.40 अंक बढ़कर 25,077.65 पर बंद हुआ। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध आधार पर 1,583.37 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।

विदेशी मुद्रा भंडार में आई गिरावट

इस बीच, शुक्रवार को आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.334 अरब डॉलर घटकर 700.236 अरब डॉलर रह गया। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में यह राशि 396 मिलियन डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर रह गई थी। इस बीच, घरेलू वृहद आर्थिक मोर्चे पर, सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर सितंबर में अगस्त के उच्च स्तर से कम हो गई, क्योंकि नए कारोबार और गतिविधि में धीमी गति से वृद्धि हुई। प्रतिस्पर्धी स्थितियों और लागत नियंत्रण उपायों के बीच, मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स सितंबर में 60.9 पर आ गया, जो अगस्त में 15 साल के उच्चतम स्तर 62.9 पर था।

बिटकॉइन, बाइनेंस, पाई नेटवर्क...

क्रिप्टोकरेंसी भारत में बैन होंगी?

● सरकार ने यह भी बताया है कि इस क्रिप्टोकरेंसी पर ज्यादा टैक्स क्यों लगाया जाता है।

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या सरकार बिटकॉइन , बाइनेंस, पाई नेटवर्क समेत सभी क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने जा रही है? यह बात अक्सर सामने आती रहती है। इसे लेकर अब सरकार ने सारी बातें स्पष्ट कर दी हैं। साथ ही सरकार ने यह भी बताया है कि इस क्रिप्टोकरेंसी पर ज्यादा टैक्स क्यों लगाया जाता है। इसके अलावा सरकार ने देश की डिजिटल करेंसी के बारे में भी जानकारी दी है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत उन क्रिप्टोकरेंसी को बढ़ावा नहीं देता है जिनका कोई सरकारी समर्थन या संपत्ति का आधार नहीं होता है। इसका मतलब है कि ऐसी क्रिप्टोकरेंसी जो भारतीय रिजर्व बैंक , फेडरल बैंक या किसी स्थानीय मुद्रा द्वारा समर्थित नहीं हैं, उन्हें भारत में प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। इस नई डिजिटल मुद्रा से छोटे व्यवसायों और आम लोगों को भी फायदा

हो सकता है। वे बिना किसी बिचौलिए के सीधे पैसे भेज और प्राप्त कर सकेंगे, जिससे समय और पैसा दोनों की बचत होगी। साथ ही, सरकार के पास सभी लेन-देन का रिकॉर्ड होगा, जिससे काले धन और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। यह कदम भारत को डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करेगा और वैश्विक स्तर पर डिजिटल मुद्राओं के बढ़ते चलन में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा।

क्या क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगेगा?

केंद्रीय मंत्री ने क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगाने के बारे में भी सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जिन क्रिप्टोकरेंसी का केंद्र सरकार से कोई समर्थन नहीं है, उन पर कोई सीधा प्रतिबंध नहीं है। हालांकि, उनके इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए उन पर भारी टैक्स लगाया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि ऐसी क्रिप्टोकरेंसी में जोखिम ज्यादा होता है, क्योंकि उनका कोई आधार या जवाबदेही तय नहीं होती। यानी इसे सरकार की गारंटी मिलेगी। इस नई डिजिटल मुद्रा का मुख्य उद्देश्य लेन-देन को आसान बनाना, कागज के इस्तेमाल को कम करना और पारंपरिक बैंकिंग सिस्टम की तुलना में ज्यादा तेज और पता लगाने योग्य लेन-देन को संभव बनाना है।

टाटा ग्रुप का यह स्टॉक 3 प्रतिशत लुढ़का, बिजनेस अपडेट से निवेशक दिखे नाखुश

नई दिल्ली, एजेंसी।टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयरों की कीमतों में आज 3 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट पहली छमाही के बिजनेस अपडेट के सामने आने के बाद दर्ज की गई है। ट्रेंट का बिजनेस अपडेट उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। बता दें, ट्रेंट का रेवन्यू दूसरी तिमाही 5002 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़ा है। 2021 के बाद कंपनी की यह सबसे धीमी विकास दर रही है। वहीं, पहली छमाही में टाटा ग्रुप की इस कंपनी का रेवन्यू 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद 10063 करोड़ रुपये रहा है। ताजा आकंड़े कंपनी के लॉन्ग टर्म टारगेट से 25 प्रतिशत कम रहा है। फैशन और लाइफस्टाइल सेगमेंट में काफी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। बीएसई में ट्रेंट लिमिटेड के शेयर मंगलवार को गिरावट के बाद 4699.95 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 4590.95 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया था। ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनले ने ट्रेंट के लिए ओवरवेट रेटिंग को बरकरार जरूर रखा है। लेकिन कंपनी ने टारगेट प्राइस को घटाकर 5892 रुपये प्रति शेयर कर दिया है।

ओमान, अमेरिका, यूरोपीय संघ सहित कई देशों के साथ एफटीए पर बातचीत हो रही, बोले पीयूष गोयल

ई दिल्ली, एजेंसी। भारत ओमान, चिली, रू, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित ई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। णिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ोमवार यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि भारत अब इन व्यापार समझौतों रिए विकसित देशों के साथ जुड़ रहा है। पीयूष गोयल ने दोहा में कहा, ाज ओमान, यूरोपीय संघ, अमेरिका, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड, यूरेशिया ौर कई अन्य देशों के साथ एफटीए पर बातचीत रही है, ये वो बातचीत रने की इच्छा व्यक्त की है। दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए मंत्री भारत और तर के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के ए एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछले महीने यूष गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का तृत्व न्यूयॉर्क में किया था। उस बैठक के बाद भारत और अमेरिका ने रस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष काले के लिए बातचीत जारी रखने का निर्णय लिया। दोनों पक्षों ने ापार समझौते के विभिन्न पहलुओं पर रचनात्मक बैठकें कीं। यात्रा के रान गोयल ने अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ौर भारत में अमेरिका के मनोनीत राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें ं। ये बातचीत अहम थी, क्योंकि ये अमेरिका की ओर से रूसी कच्चा तेल रीदने के लिए भारतीय माल पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त 25 तिशत जुर्माना लगाए जाने के बाद हुए थे। वर्तमान में अमेरिका निर्यात होने ले भारतीय वस्तुओं पर कुल 50 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया ाता है।

बोरे भर-भरकर सोना खरीद रहा चीन, लेकिन भारत ने लगा दिया ब्रेक

आरबीआई के पास कितना सोना?

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमत पहली बार 4,000 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच चुकी है। इस साल सोने की कीमत 40 बार से ज्यादा ऑल टाइम हाई पर पहुंची है। गोल्डमैन सैश का कहना है कि अगले साल दिसंबर तक सोने की कीमत 4,900 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। कीमत में तेजी के बावजूद दुनिया के कई देशों के बैंक जमकर सोने की खरीदारी कर रहे हैं। अगस्त में उन्होंने कुल मिलाकर 15 टन सोना खरीदा। चीन ने लगातार 11वें महीने सोने की खरीद की है जबकि आरबीआई ने लगातार दूसरे महीने सोना नहीं खरीदा।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल मिलाकर 15 टन सोना खरीदा। यूक्रेन युद्ध के बाद से ही कई देशों के केंद्रीय बैंक अपने पोर्टफोलियो में सोने की मात्रा बढ़ा रहे हैं। अगस्त में उन्होंने फिर से सोना खरीदना शुरू कर दिया है। अगस्त में कजाकिस्तान के नेशनल बैंक ने सबसे ज्यादा 8 टन सोना खरीदा। लेकिन भारत के रिजर्व बैंक ने लगातार दूसरे महीने सोना नहीं खरीदा।

आरबीआई ने 2025 के पहले आठ महीनों में से केवल तीन बार ही सोना खरीदा जबकि

2024 में उसने वे लगभग हर महीने सोना खरीद रहे थे। डब्लूजीसी ने बताया कि आरबीआई ने जनवरी से अगस्त 2025 के बीच केवल 3.8 टन सोना खरीदा जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसने 45.4 टन सोना खरीदा था। 29 अगस्त तक, आरबीआई के पास कुल 879.98 टन सोना था। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 26 सितंबर तक आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 13.6 प्रतिशत थी। एक साल पहले यह आंकड़ा 9.3त्न था जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

क्यों बढ़ रही है कीमत?

डब्लूजीसी ने संभावना जताई है कि सोने की कीमत में हाल में आई तेजी केंद्रीय बैंकों की खरीद को सीमित कर रही है। कुछ देश सोने में आई तेजी का फायदा उठाने के लिए इसकी बिक्री भी की है। डब्लूजीसी ने कहा कि खरीद में हालिया कमी का मतलब यह नहीं है कि केंद्रीय बैंक सोने में रुचि खो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ रही हैं। ऐसे में सोने की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। उनका कहना है कि दुनिया भर में अनिश्चितता कम नहीं हुई है, जो सोने की कीमत को सपोर्ट करती है। साथ ही यह भी याद रखा जाना चाहिए कि सोने का खनन सीमित है जबकि मांग स्थिर बनी हुई है। इसलिए, सोने की कीमत में और बढ़ोतरी से केंद्रीय बैंकों को फायदा होगा। अगस्त में चीन के सेंट्रल बैंक ने दो टन सोना खरीदा जिससे उसकी गोल्ड होल्डिंग पहली बार 2,300 टन के पार पहुंच गई है। गोल्ड रिजर्व के मामले में अमेरिका के आसपास कोई नहीं है। उसके पास 8,133 टन सोना है। जर्मनी के पास 3,350 टन सोना है। चीन 2,301 टन गोल्ड के साथ छठे नंबर पर है। उसके बाद स्विट्जरलैंड (1040 टन) और फिर भारत का नंबर है। जापान के पास 846 टन और तुर्की के पास 837 टन सोना है।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

मैथ्यू रेनशॉ को मिला वनडे डेब्यू का गोल्डन चांस, जानिए टेस्ट में कैसा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज (शुरुआती दो मैच) के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। लिस्ट-ए में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैट रेनशॉ को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है, जो अब वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर सकते हैं। रेनशॉ ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका ए के विरुद्ध बतौर कप्तान 80, 106 और 62 रन की पारियां खेली थीं। 50 ओवरों के फॉर्मेट में आमतौर पर नंबर-3 या 4 पर बल्लेबाजी करने वाले 29 वर्षीय मैट रेनशॉ ने साल 2016 में टेस्ट टीम में डेब्यू किया था। यह बाएं हाथ का खिलाड़ी 14 टेस्ट मुकाबलों में 29.31

की औसत के साथ 645 रन बना चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 3 अर्धशतक निकले हैं। मैट रेनशॉ ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में कुल 126 मुकाबले खेले, जिसमें 37.28 की औसत के साथ यह बल्लेबाज 7,681 रन अपने नाम कर चुका है। इस दौरान उनके बल्ले से 23 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले। वहीं, 76 लिस्ट-ए मुकाबलों में रेनशॉ ने 41.13 की औसत के साथ 2,756 रन जुटाए हैं। मैट रेनशॉ के साथ तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की वनडे टीम में वापसी हुई है, जो नवंबर 2024 के बाद पहली बार वनडे मैच खेलने को तैयार हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19, 23 और 25 अक्टूबर को वनडे मुकाबले खेले जाने हैं, जिसके बाद 29 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 2 नवंबर, 6 नवंबर और 8 नवंबर को टी20 मैच खेले जाएंगे।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क और एडम जांपा।

भारत के विरुद्ध शुरुआती दो टी20 मुकाबलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जांपा।

संजू सैमसन का नंबर कब आएगा:टी-20 में ओपनिंग पोजिशन से हटाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। 2015 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने वाले संजू सैमसन 2023 तक महज 24 टी-20 मैच ही खेल सके थे। आखिरकार 2024 वर्ल्ड कप के बाद उनकी भारतीय टी-20 टीम में जगह पक्की हुई। उन्होंने फिर ओपनिंग करते हुए 5 महीनों में 3 शतक लगा दिए। लगा कि अब संजू भारत के लॉन्ग टर्म ओपनर होंगे।

लेकिन, एशिया कप में उन्हें अपनी जगह शुभमन गिल के लिए खाली करनी पड़ गई। संजू ने मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की। फाइनल में जब भारतीय टीम 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी तब उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 57 रन की पार्टनरशिप लगाई और भारत की मैच में वापसी कराई। इसके बाद माना जा रहा था कि संजू ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की वनडे टीम में भी जगह बना लेंगे। लेकिन, ऐसा हुआ नहीं। मुख्य विकेटकीपर के तौर पर केएल राहुल चुने गए और बैकअप के तौर पर ध्रुव जुरेल टीम में आ गए। संजू बाहर रह गए। ऐसा तब हुआ है जब संजू ने 16 वनडे मैचों में 56 की औसत से रन बनाए हैं। दूसरी ओर जुरेल ने अभी वनडे में डेब्यू भी नहीं किया है। संजू एक बार फिर नजरअंदाज हो गए। हालांकि, यह पहला मौका नहीं जब संजू और उनके फैंस का दिल टूटा हो।

महिला वर्ल्डकप 2025:

महिला वर्ल्डकप में इस खिलाड़ी का तूफान!

● 5 मैचों में जड़े 4 शतक, स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 में साउथ अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स इन दिनों अपने बल्ले से तहलका मचा रही हैं. न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने शानदार शतक जड़कर न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी तोड़ दिए. ब्रिट्स का यह पिछले 5 वनडे मैचों में चौथा शतक है, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है.

87 गेंदों में ताबड़तोड़ शतक- कोलंबो के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिट्स ने सिर्फ 87 गेंदों में शतक पूरा किया. उन्होंने अपनी 89 गेंदों की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया. उनकी पारी ने साउथ अफ्रीका की पारी को मजबूत नींव दी और टीम ने 7 विकेट से मुकाबला जीत लिया.

5 मैचों में चौथा शतक- 34 साल की ताजमिन ब्रिट्स के लिए यह समय करियर का सुनहरा दौर कहा जा सकता है. वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे. पाकिस्तान दौरे पर भी नाबाद उन्होंने 101 और 171 रन की शानदार पारियां खेलीं, और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ एक और शानदार शतक जड़ दिया. उनके इस प्रदर्शन से साउथ अफ्रीका की टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ा है, खासकर इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद.

सबसे कम पारियों में 7 शतक का रिकॉर्ड- इसी के साथ ही ताजमिन ब्रिट्स ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने सिर्फ 41 पारियों में 7 वनडे शतक लगाए हैं. इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग के नाम था, जिन्होंने 44 पारियों में 7 शतक लगाए थे. ब्रिट्स ने इस रिकॉर्ड को 3 पारियों पहले ही तोड़ दिया.

स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड भी टूटा

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के नाम एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा वनडे शतक (4) का रिकॉर्ड था, लेकिन अब ताजमिन ब्रिट्स ने इसे भी पीछे छोड़ दिया है. ब्रिट्स ने 2025 में 5वां शतक लगाकर नया रिकॉर्ड बना दिया है. मंधाना ने 2024 में 4 शतक जड़े थे, जबकि 2025 में वह अब तक 4 शतक तक पहुंची हैं.

ब्रिट्स बनी साउथ अफ्रीका की रीढ़

ताजमिन ब्रिट्स का यह फॉर्म साउथ अफ्रीकी महिला टीम के लिए किसी वरदान से कम नही है. इंग्लैंड से शुरुआती हार के बाद उन्होंने टीम को संभाला और लगातार रन बनाकर टूर्नामेंट में वापसी कराई. अगर उनका यह फॉर्म जारी रहा, तो वह साउथ अफ्रीका को पहली बार महिला विश्व कप ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं.

41 वर्षीय रॉस टेलर ने रिटायरमेंट से की वापसी

जापान-मलेशिया के आगे भी रहे फ्लॉप

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉस टेलर क्रिकेट जगत में एक बड़ा नाम है, जो न्यूजीलैंड के लिए कई सालों तक खेले और कुछ समय पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके थे. लेकिन उन्होंने रिटायरमेंट के फैसले से यू-टर्न लेते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की. 41 साल के टेलर न्यूजीलैंड के लिए नहीं बल्कि सामोआ देश के लिए खेल रहे हैं और टी20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर में इस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन उनकी वापसी अच्छी नहीं रही. टी20 वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर से पहले वार्म-अप मैचों में रॉस टेलर ने 2 मैच खेले और दोनों में फ्लॉप रहे. सामोआ देश का नाम शायद ही भारत में किसी ने पहले सुना हो, लेकिन टेलर जैसे बड़े खिलाड़ी के इस टीम में जाने से लोग इसे जानने लगे हैं. हालांकि जितना बड़ा नाम टेलर का है, उससे उनकी धांसू वापसी की उम्मीद थी लेकिन अभी तो ऐसा नहीं दिखा.

जापान के खिलाफ वार्म-अप मैच में उन्होंने सिर्फ 11 रन बनाए, वो भी 10 गेंदों में. वहीं मलेशिया के खिलाफ भी उनका बल्ला खामोश रहा, इस टीम के खिलाफ रॉस टेलर ने 8 गेंदों में सिर्फ 4 रन बनाए. बेशक रॉस टेलर क्रिकेट जगत में बड़ा नाम है, अच्छे अच्छे गेंदबाजों को उन्हें आउट करने में पसीने छूट जाया करते थे लेकिन 41 साल की उम्र में उनके लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी और वैसा ही प्रदर्शन करना मुश्किल नजर आ रहा

है. टेलर एक बड़े खिलाड़ी हैं, इस वजह से फैंस को उम्मीद भी है किए क्वालीफायर के मुख्य मैचों में वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे. सामोआ का ग्रुप स्टेज में पहला मैच ओमान के साथ है. ये मैच भारत के समयनुसार सुबह 11:30 बजे से शुरू होगा. इसके बाद टीम का अगला मैच 9 अक्टूबर को पीएनजी (पापुआ न्यू गिनी) के खिलाफ है.

भारत के लिए अच्छी खबर, पंत साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले मैदान पर कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के लिए अच्छी खबर है। इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए ऋषभ पंत फिट होने की राह पर हैं। वह 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज से पहले मैदान पर दिख सकते हैं। पंत 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025-26 रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में खेलते दिख सकते हैं। भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पिछले महीने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा करते समय कहा कि कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में खेलते दिख सकते हैं।

जुलाई के अंत में इंग्लैंड दौरे पर ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट में पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार है कि वह रिहैब के अंतिम चरण में हैं और इस सप्ताह के अंत में बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (छ्शश्व) में उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा। तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय पहले उनके पैर की प्लास्टर हटा दी गई थी और अब वह बिना किसी परेशानी के चल-फिर रहे हैं। उन्होंने फिर से बल्लेबाजी भी शुरू कर दी है।

पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह

अगर पंत को मंजूरी मिल जाती है तो उनके दिल्ली टीम से जुड़ने की उम्मीद है जो 15 अक्टूबर से हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में खेलेगी। डीडीसीए को पंत के पहले राउंड में खेलने पर संदेह है।

भारत-इंग्लैंड के चौथे टेस्ट मैच में क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने के प्रयास में चोटिल होने से पंत मैदान से बाहर हैं। उन्हें चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा और स्कैन में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। अगले दिन पंत बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सके। उन्होंने चार टेस्ट मैचों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत करने वाला ऑस्ट्रेलिया बुधवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मैच में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा। पाकिस्तान की टीम टूर्नामेंट में लय हासिल करने के लिए जूझ रही है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया का शानदार प्रदर्शन अन्य टीम के प्रदर्शन से बिल्कुल अलग रहा है। एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम अब तक टूर्नामेंट में 300 से अधिक का स्कोर बनाने वाली एकमात्र टीम रही है और पिछले दो मैच में बांग्लादेश और भारत के खिलाफ कमजोर दिखे पाकिस्तान के खिलाफ एक और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया ने 300 से अधिक का स्कोर खड़ा करने के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन की आसान जीत दर्ज की थी।

टीम की नजरें रिकॉर्ड में सुधार करने वाले आठवें विश्व कप खिताब पर टिकी हैं। हालांकि सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली, बेथ मूनी और एनाबेल सदरलैंड जैसी बल्लेबाज लड़खड़ा रही हैं लेकिन एश्ले गार्डनर ने इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में शानदार शतक जड़कर अंत में मुकाबला एकतरफा बना दिया। एनाबेल सदरलैंड की तेज गेंदबाजी और सोफी मोलिन्यु की स्पिन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और इंग्लैंड, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका जैसी कड़ी टीमों से मुकाबला करने से पहले टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अपनी रणनीति को और मजबूत करने की कोशिश करेगी।

रोहित शर्मा के लिए आने वाली है एक और बुरी खबर!

सुनील गावस्कर ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में इन दिनों बड़े बदलावों का दौर चल रहा है. पहले रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीनी गई, और अब क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने एक ऐसा बयान दिया है जिसने फैंस की चिंता और बढ़ा दी है. गावस्कर का कहना है कि आने वाले दिनों में रोहित शर्मा से जुड़ी एक और बुरी खबर सुनने को मिल सकती है.

अब और बुरी खबर के लिए तैयार रहिए - स्पोर्ट्स तक से बातचीत में सुनील गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा का भविष्य अब टीम मैनेजमेंट की सोच और उनके खुद के फैसले पर निर्भर करेगा. गावस्कर ने कहा, अगर रोहित कोई स्पष्ट वादा नहीं कर रहे कि वे अगले दो साल तक वनडे खेलना जारी रखेंगे या नही, तो फैंस को आगे जाकर और बुरी खबर के लिए तैयार रहना चाहिए. उनके इस बयान से क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई है कि क्या रोहित शर्मा जल्द वनडे से संन्यास लेने वाले हैं या टीम मैनेजमेंट उन्हें अब धीरे-धीरे बाहर करने की योजना बना रहा है.

रोहित को अब विजय हजारे ट्रॉफी खेलनी होगी- गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर रोहित शर्मा वनडे करियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहना होगा.

कैलेंडर में नहीं बचा वनडे का ज्यादा स्थान

गावस्कर ने आगे कहा कि आने वाले दो सालों में भारत बहुत कम वनडे मैच खेलेगा, जिससे रोहित के लिए फॉर्म और फिटनेस बनाए रखना मुश्किल हो सकता है. उन्होंने आगे कहा, टीम इंडिया का शेड्यूल अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल पर केंद्रित है. अगर रोहित साल में सिर्फ 5-7 वनडे ही खेलते हैं, तो इतने कम मैचों में वर्ल्ड कप जैसी बड़ी तैयारी नहीं की जा सकती. उन्होंने कहा कि शायद इसी वजह से चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को भविष्य के कप्तान के रूप में तैयार करने का फैसला लिया है.

फैंस को लगा बड़ा झटका

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी.

मप्र में रजत पाटीदार को बड़ा इनाम

सभी फॉर्मेट में मिली मध्य प्रदेश की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश टीम के सभी फॉर्मेट की कप्तानी सौंपी गई है। उन्हें रणजी ट्रॉफी के साथ शुरू होने वाले 2025-26 के घरेलू सत्र से पहले यह जिम्मा सौंपा गया, जिसकी शुरुआत 15 अक्टूबर से होने जा रही है। 32 वर्षीय रजत पाटीदार ने शुभम शर्मा को बतौर कप्तान रिप्लेस किया है। पाटीदार को मध्य प्रदेश के क्रिकेट निदेशक चंद्रकांत पंडित ने यह जिम्मेदारी सौंपी। रजत पाटीदार को पिछले सीजन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान कप्तान के रूप में पहली बार

आजमाया गया था। पाटीदार ने अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को पहली बार आईपीएल चैंपियन बनाया। इसके बाद मध्य प्रदेश को फाइनल तक लेकर गए, जहां टीम को मुंबई से हार का सामना करना पड़ा। रजत पाटीदार आईपीएल खिताब जीतने के बाद से शानदार कप्तानी कर रहे हैं, उन्होंने हाल ही में 2014-15 के बाद पहली बार सेंट्रल जोन को दलीप ट्रॉफी का चैंपियन बनाया है। हाल ही में पाटीदार ने ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का नेतृत्व किया, जिसमें ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़ और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे बड़े नाम शामिल थे। हालांकि, इस मुकाबले में उनकी टीम को विदर्भ के हाथों 93 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी। 2024-25 के रणजी ट्रॉफी सीजन की 11 पारियों में 48.09 की औसत से 529 रन बना चुके रजत पाटीदार इस दौरान एक शतक और दो अर्धशतक लगा चुके हैं। पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में शतक जमाया है। मध्य प्रदेश 15 अक्टूबर को अपने रणजी ट्रॉफी अभियान की शुरुआत पंजाब के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा। इसके बाद टीम 25 अक्टूबर से सौराष्ट्र को चुनौती देगी।

ओसाका ने वुहान ओपन में लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन), एजेंसी। नाओमी ओसाका ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेंटर कोर्ट पर दिन के पहले मैच में फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की।

ऐमा राडुकानु जब आन ली के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रहीं थीं तो उन्हें चक्कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनास्तासिया जखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। वह दूसरे दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी लुइडमिला सैमसोनोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने एमिलियाना एरेंगो को 6-1, 7-5 से शिकस्त दी।

वरुण धवन के साथ फिर बनेगी आलिया की जोड़ी ?

बॉलीवुड में नई पीढ़ी की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक आलिया भट्ट और वरुण धवन की जोड़ी फिर से पर्दे पर वापसी करेगी या नहीं, इस सवाल का जवाब हर फैन पिछले कई वर्षों से तलाश रहा है। हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी हिट फिल्मों के बाद दर्शक लंबे समय से इस सीरीज के तीसरे पार्ट 'दुल्हनिया 3' का इंतजार कर रहे हैं। अब इस पर निर्देशक शशांक खैतान ने बड़ा अपडेट दिया है।

हाल ही में बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में शशांक खैतान ने कहा, हम सब चाहते हैं कि 'दुल्हनिया 3' बने। चाहे मैं हूं, आलिया हो या वरुण- सभी इस फ्रेंचाइज से जुड़े हैं। लेकिन अभी तक हमें वो सही कहानी नहीं मिली है, जो हमें और दर्शकों को संतुष्ट कर सके। उन्होंने साफ किया कि टीम लगातार आइडिया पर बातचीत कर रही है लेकिन अब तक कोई ठोस प्लान तैयार नहीं हुआ है। शशांक ने यह भी कहा कि दुल्हनिया सीरीज को मिली जबरदस्त मोहब्बत को देखते हुए वे जल्दबाजी में फिल्म बनाकर दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते। निर्देशक के मुताबिक, किसी भी सफल फ्रेंचाइज का अगला पार्ट तभी बनाया जाना चाहिए जब उसके पास बताने के लिए एक मज़बूत और मजेदार कहानी हो। उनका कहना है कि दुल्हनिया 3 तभी आएगी जब टीम को लगेगा कि यह कहानी पिछले दोनों पार्ट्स से भी ज्यादा असरदार और मनोरंजक है।

आखिर क्यों हटाई गई नेटफ्लिक्स से बाहुबली फ्रेंचाइजी?

भारतीय सिनेमा के इतिहास में एस. एस. राजामौली की बाहुबली फ्रेंचाइजी बहुत बड़ी फिल्म है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी रिकॉर्ड तो? साथ ही भारतीय सिनेमा को दुनिया के सामने खड़ा कर दिया. आपकी बता दें कि बाहुबली के दो पार्ट्स बाहुबली: द बिगिनिंग और बाहुबली 2: द कन्क्लूजन अभी तक रिलीज हुए हैं. इन फिल्मों की जबरदस्त कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया था. बाहुबली के दो पार्ट्स के बाद अब एक नई फिल्म बाहुबली- द एपिक का इंतजाार कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच एक चौंकाने वाली ख्बर सामने आई है. जिसने फैंस को एकदम हैरान कर दिया है.

बाहुबली फ्रेंचाइजी के दोनों मुख्य पार्ट्स हैं. बाहुबली- द बिगिनिंग और बाहुबली 2- द कन्क्लूजन. इन दोनों पार्ट्स के बाद अब एक और फिल्म बाहुबली- द एपिक आ रही है. इसी बीच खबर आ रही है कि इस फिल्म के पहले दो पार्ट्स को अचानक नेटफ्लिक्स से हटा दिया गया है. इस खबर से फैंस और दर्शक थोड़े हैरान हैं. वहीं लोग ये भी जानना चाहते हैं कि आखिर मेकर्स ने ये फैसला क्यों लिया है. Netfli& से फिल्मों के हटने के बाद अब ये चर्चे बहुत तेज हो गए हैं. आखिर क्यों ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से इन दो पार्ट्स को हटा दिया गया.

क्या है वजह?

आपको बता दें कि मेकर्स ने ये फैसला जानबूझकर किया है. ताकि दर्शक सिनेमाघरों में इस नए एडिशन को देखने के लिए आएं. बाहुबली: द एपिक असल में बाहुबली फ्रेंचाइजी में द बिगिनिंग और द कन्क्लूजन दोनों फिल्मों को आपस में जोड़ दिया गया है. जहां हमने पहले दो फिल्मों को अलग अलग देखा था वहीं इस फिल्म में दोनों फिल्मों को एक साथ दिखाया गया है. इसे री-एडिट और रीमास्टर किया गया है, जिसमें नई तकनीकी और कुछ व्यू और कुछ कहानी में भी बदलाव किया गया है. बाहुबली: द एपिक 31 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने की सगाई!

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के अफेयर की खबरें अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। कथित तौर पर एक निजी समारोह में इन दोनों ने सगाई कर ली है। अगले साल फरवरी में इनके घर शहनाई बज सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों की सगाई एक प्राइवेट सेरेमनी में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के बीच हुई है। कहा यह भी जा रहा है कि दोनों ने अपनी शादी का एलान करने से पहले कुछ दिनों इंतजार करने का फैसला लिया है। इसलिए सगाई को लेकर भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

रश्मिका के हालिया पोस्ट ने दी अफवाहों को हवा

रश्मिका मंदाना और विजय की सगाई की रूमर्स दरअसल, रश्मिका के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुई। रश्मिका ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिनमें वे साड़ी में नजर आ रही हैं। यह दशहरा के अवसर की तस्वीरें हैं। रश्मिका ने इन्हें साझा कर फैंस को दशहरा की शुभकामनाएं दी हैं और थामा के ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिलने पर शुक्रिया कहा है। मगर, नेटिजन्स ऐसे कयास लगा रहे हैं कि रश्मिका की यह फोटोज विजय के घर की हैं और दोनों की सगाई हो गई है। हालांकि, सगाई की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। न ही कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है।

पेरिस में छाया अनन्या का ग्लैमर

फैशन की दुनिया में बनाई जगह

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में फैशन की दुनिया में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। वह प्रतिष्ठित बिजनेस ऑफ फैशन (बीओएफ) 2025 की ग्लोबल लिस्ट में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय अभिनेत्री बनी हैं। इस खास मौके से जुड़ी कुछ तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। अनन्या ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर शानदार तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, बिजनेस ऑफ फैशन की सूची में शामिल होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। पेरिस जैसी खूबसूरत शाम और इस शहर में बिताए पल, जो अब मेरा पसंदीदा बन रहा है, मेरे लिए खास हैं। मैं इस वैश्विक समुदाय का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं और धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रही हूं। इमरान अहमद और उनकी पूरी टीम को उनके शानदार काम के लिए धन्यवाद। बिजनेस ऑफ फैशन की यह वार्षिक सूची उन ग्लोबल हस्तियों को सम्मानित करती है, जो फैशन इंडस्ट्री में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस साल अनन्या के साथ-साथ हॉलीवुड की मशहूर हस्तियां जैसे हैली बीबर और जो क्राविट्ज भी इस सूची में शामिल हैं। अनन्या से पहले प्रियंका चोपड़ा जोनस, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और सोनम कपूर जैसी भारतीय हस्तियां भी इस लिस्ट में अपनी जगह बना चुकी हैं। अनन्या का इस सूची में शामिल होना उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने कई वैश्विक लग्जरी ब्रांड्स के साथ शानदार कैंपेन किए हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि भारतीय फैशन इंडस्ट्री के लिए भी गर्व का विषय है। अनन्या की मेहनत और स्टाइल ने उन्हें वैश्विक मंच पर एक मजबूत पहचान दिलाई है। फैशन की दुनिया में उनकी यह यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। अनन्या की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह समीर विदवान निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में नजर आएंगी। यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी।

यश की अगली फिल्म होगी साइंस-फिक्शन थ्रिलर

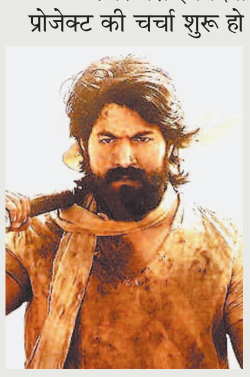

स्टार यश इन दिनों अपकमिंग मूवी टॉक्सिक की शूटिंग में बिजी हैं। पर अभी से ही उनके अगले प्रोजेक्ट की चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि वो पीएस मिथ्रन संग साइंस-फिक्शन थ्रिलर मूवी पर बात कर रहे हैं। सबकुछ सही रहा तो 2026 में शूटिंग शुरू होगी। स्टार यश इस समय टॉक्सिक की शूटिंग में बिजी हैं। वो कथित तौर पर तमिल मूवी प्रोड्यूसर पीएस मिथ्रन के साथ अपकमिंग प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रहे हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट्स बता रही हैं कि पीएस मिथ्रन ने एक्सपेरिमेंटल साइंस-फिक्शन थ्रिलर डेवलप किया है और यश इसे लीड करेंगे। खैर। अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 123 तेलुगु के अनुसार, साउथ स्टार यश पहले तमिल फिल्ममेकर पीएस मिथ्रन के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर रहे थे। मिथ्रन ने यश के लिए एक एक्सपेरिमेंटल साइंस-फिक्शन थ्रिलर लिखी है। और अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ, तो यश 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। इस प्रोजेक्ट के बाद वो प्रशांत नील के साथ केजीएफ चैप्टर 3 के लिए काम करेंगे। यश ने ऋषभ शेट्टी की कांतारा चैप्टर 1 की तारीफ में ङ्ग पर लिखा, कांतारा चैप्टर 1 कन्नड़ और भारतीय सिनेमा के लिए नया बेंचमार्क। ऋषभ शेट्टी आपका दृढ़ विश्वास, दृढ़ता और निस्वार्थ समर्पण हर फ्रेम में साफ दिख रहा है। राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के रूप में आपका विजन स्क्रीन पर वास्तव में एक शानदार अनुभव में बदल जाता है।

यश की टॉक्सिक फिल्म

यश ने सितंबर में अपनी फिल्म टॉक्सिक- अ फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए मुंबई में 45 दिनों की शूटिंग की। अब लंदन में शूटिंग होगी। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही इस फिल्म का ऐलान 2023 में हुआ था और मई 2026 में रिलीज होने की उम्मीद थी। पर इसे देरी का सामना करना पड़ा।

सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर किया

वो शक्तिशाली वाक्य जिसने उनकी जिंदगी को दी नई दिशा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु हाल ही में सोशल मीडिया पर फैंस के लिए लाइव आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस से उनकी लाइफ से जुड़े सवाल पूछने को कहा। इसी बीच एक यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कि ऐसा कौन सा वाक्य है, जिसने आपका नजरिया बदल दिया? अभिनेत्री ने जवाब देते हुए उस शक्तिशाली वाक्य का खुलासा किया, जिसने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा, जो आपको परेशान करती हैं। उन्होंने बताया कि उनका काम भी उन्हीं चीजों से जुड़ा है, जो उन्हें परेशान करती हैं और इस सोच ने उनके जीवन को आसान बना दिया है। आप भी इसे आजमा सकते हैं, शायद यह आपकी मदद करे। एक अन्य यूजर ने उनसे पूछा कि एक छात्र होने के चलते वह अपनी हेल्थ का ध्यान नहीं रख पाते हैं, इसके लिए वो कुछ सुझाव दे सकती हैं? इस पर अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं तो, एक छात्र का जीवन जिए मुझे लंबा अरसा हो गया है, लेकिन मैं अक्सर सुनती रही हूं कि आजकल छात्रों के लिए यह कितना मुश्किल है, वे अधिक तनाव में रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं आपसे सहानुभूति रखती हूं, और मैं चाहती हूं कि आप यह समझें कि अच्छे ग्रेड ही सबकुछ नहीं होते। मुझे लगता है कि एक छात्र होने से मैंने जो सबसे अधिक सीखा और एक छात्र होने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वे मित्र थे, जो मैंने उस दौरान बनाए। अपने आसपास के लोगों के लिए सम्मान का भाव और अपने दोस्तों से जो दयालुता मैंने सीखी, इसने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की। सामंथा रुथ प्रभु को पिछली बार तेलुगु हॉरर-कॉमेडी 'शुभम' में देखा गया था। इसमें वह एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं। वह बहुत जल्द राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की फिल्म 'रक्त ब्रह्मांड- द ब्लडी किंगडम' में दिखाई देंगी। इसमें आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, जयदीप अहलावत और वामिका गब्बी जैसे कलाकार हैं।

पत्नी और गर्लफ्रेंड को लेकर सैफ का बयान

करीना के साथ कई फिल्में करने के बाद सैफ अली खान ने अब पत्नी के साथ काम करने पर दी ये सलाह। करियर में इस बात का है उन्हें दुख।

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अक्षय कुमार के साथ अपनी आगामी फिल्म 'हैवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच सैफ ने पत्नी और गर्लफ्रेंड के साथ काम करने पर अपने विचार रखे। सैफ ने पत्नी करीना के साथ कई फिल्मों में काम किया है। वहीं सैफ ने अपने करियर के शुरुआती दौर को भी याद किया। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सैफ अली खान ने अपने करियर के शुरुआती वक्त को याद किया। एक्टर ने बताया कि उस वक्त लोग मेरे लिए कहते थे कि वह भाग्यशाली थे कि उन्हें कई मौके मिले। हालांकि, मुझे ऐसा लगता है कि मुझे उस समय बन रही अच्छी फिल्में नहीं मिलीं। मुझे मुख्य भूमिकाओं के लिए नहीं लिया जा रहा था। बल्कि सेकंड लीड के तौर पर मुझे फिल्में मिल रही थीं। हालांकि, बाद में अपने किरदारों में प्रयोग करने पर ये बदलाव आया है।

इस दौरान एक्टर ने कहा कि सेट पर एक स्वस्थ और अच्छी प्रतिस्पर्धा ने मुझे एक अभिनेता के तौर पर निखारा है। मेरा ऐसा मानना है कि साथी कलाकारों के साथ कुछ नया प्रयास करने और इम्प्रोवाइज करने पर ही मेरा बेस्ट परफॉर्मेंस निकलकर सामने आता है। हालांकि, इस दौरान एक्टर ने कहा कि इसीलिए मेरा मानना है कि पत्नी या गर्लफ्रेंड के साथ काम नहीं करना चाहिए। ये बात सैफ ने तब कही है जब वो खुद पत्नी करीना के साथ कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन उनका मानना है कि पत्नियों और गर्लफ्रेंड के साथ काम करना अच्छा विचार नहीं है।

साभार एजेंसी